

3.2.2 Number of workshops/seminars conducted on Intellectual Property Rights (IPR) and Industry-Academ five years (5)

Year	Name of the workshop/ seminar	Date From – To
2013-14	3day Seminar on " Challenge of the modern youth"	04-02-2014 to 06-02-2014
2014-15	One day Seminar on "Iodine Deficiency Disorders"	21-10-2015 to
	One day Seminar on "Malnutrition"	04-10-2015
2015-16	3 Day seminar on "The Bhagvat Gita"	12-08-2015 to 14-08-2015
2016-17	3 Day seminar on "Jina Isi ka Naam hai"	23-01-2017 to 25-01-2017
	One Day Seminar on "Assessment and accreditation of education institution –Quality concerns	22-03-2017
2017-18	3 Day seminar on "Feminine sessibility in gujarati literature"	06-02-2018 to 08-02-2018

nia Innovative practices during the last

<b>Link to the Activity report on the website</b>	<b>Date of establishment of IPR cell</b>
Report attached	450
Report attached	400
Report attached	525
Report attached	300
Report attached	480
	60
Report attached	500

# International Conference

Indian Social Science Association (ISSA)  
Madhyanchal Sociological Society (MSS)

6th - 7th January, 2018



STS

Department of Sociology  
Indore Christian College, Indore.

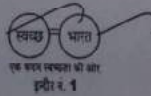
## Certificate

This is to certify that Prof. / Dr. / Ms. / Mr. **Mr. Rahul B. Patel**

Participant of / presented a paper entitled **Scientific Quest, Refitting Technology And Society In Advance**

at the International Conference  
on Science Technology and Society held on 6th - 7th January 2018 Department of Sociology, Indore Christian College, Indore.

Prof. Amit David Ph. D.  
Principal



Prof. Yashpal Vyas Ph. D.  
Organizing Secretary



## International Conference

on

This is to certify that  
Dr. /Mr./Ms. Rahul Kumar B. Patel of

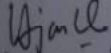
Arts College - Modasa

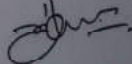
Participated presented a paper titled  
Sita Image in Indian English Litratione

at the International Conference on  
"Language, Literature and Ram Katha"

Jointly Orgazied by the  
Gujarat Sanskrit Academy, Gandhinagar and Hindu Research Foundation, Himmatnagar.  
on 29th-30th March 2018.

We highly appreciate his/her acive participation in the conference.

  
Conference Co-ordinator  
Dr. Ajaysinh Chauhan  
Registrar,  
Gujarat Sanskrit Academy, Gandhinagar

  
Conference Organizer  
Dr. Swami Gaurangsharan Devacharya  
Director,  
Hindu Research Foundation, Himmatnagar





National Conference  
on

राष्ट्रे जागृयाम वयम्

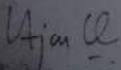
Certificate

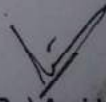


This is to certify that Patel Rahul Babubhai

has participated / presented a paper on The Nationalism In Indian States And Sardar Vallabhbhai Patel

at the National Conference on राष्ट्र जागृयाम वयम् jointly organised by Dr. Babasaheb Ambedkar Open University (BAOU), Ahmedabad & Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar held on 13-14 April, 2018 at Dr. Babasaheb Ambedkar Open University, 'Jyotirmay' Parisar, S. G. Highway, Chharodi, Ahmedabad, Gujarat, Bharat.

  
Dr. Ajaysinh Chauhan  
Mahamatra  
Gujarat Sahitya Academy  
111053

  
Prof. (Dr.) Ami Upadhyay  
Director & (I/C.) Registrar  
Dr. Babasaheb Ambedkar Open University

**Shri S. K Shah and Shri Krishna O. M Arts  
College, Modasa**

**Code of Ethics to check Plagiarism and Malpractice in  
Research**

❖ **Introduction**

Shri S. K. Shan and Shri Krishna O. M. Arts College is an old Institution established in 1960. It has a limited number of faculties with Ph.D. However, the faculties involve themselves seriously in the pursuit of improving their academic profile by attending National/International Seminars/Conference and by writing Research Papers. A few orientation sessions are also organized for enabling them to know about how to write a good research paper, keeping in view of the contemporary developments on their respective fields. It is also planned to make them aware of the trends in research, ISSN/ISBN requirements and the threat of plagiarism. The Present Code of Ethics as is expected to impose a kind of discipline among the faculty and research scholars working for their degrees. An attempt has also been made to align these guidelines with UGC's Regulations on Plagiarism issued on 1st September 2017. In addition, the affiliating University's Rules and Regulations will also be followed in letter and spirit.

❖ **Objectives:**

- To establish institutional mechanism through education and training to facilitate responsible conduct of research, study, project work, assignment, thesis, dissertation, promotion of academic integrity and deterrence from plagiarism.
- To create academic awareness about responsible conduct of research, study, project work, assignment, promotion of academic integrity and prevention of misconduct including plagiarism in academic writing among researchers, faculty and other members of academic staff as well as any employee.
- To develop systems to detect plagiarism and to set up mechanisms to prevent plagiarism and punish a student, faculty, or staff committing the act of plagiarism.



विद्यानगरी  
विद्यया विमुक्तये

विश्वमंगलम् केंद्रवर्षी मंडल, विद्यानगरी, हिंमतनगर संयासित  
महिला आर्ट्स कोलेज, विद्यानगरी, हिंमतनगर अने  
गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर ना संयुक्त उपक्रमे आयोजित  
नेशनल सेमिनार



NAAC With B+ Grade

2018-19

भारतीय नाट्यसाहित्य

प्रमाणपत्र

श्री/श्रीमती/डु. डॉ. मरीना अ. चौहान (आर्ट्स कोलेज, भोडासा)

अे महिला आर्ट्स कोलेज, विद्यानगरी, हिंमतनगर अने गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर ना संयुक्त उपक्रमे

आयोजित अेक दिवसीय नेशनल सेमिनार भारतीय नाट्यसाहित्य मां उपस्थित रही

उमाशंकर जोशीना प्रादेशिक नाट्य

विषय पर वक्तव्य

आप्युं हतुं/ शोधपत्र रजु कर्युं हतुं/ सहभागी चर्यक तरीके हाजर रही सङ्गीय पाडो लाग लीद्यो अे. तेमनी साहित्य अने  
अध्यापन परत्वेनी आटी रुचिने अलिजंटी आ प्रमाणपत्र अर्पण करतां गौरव अनुभवीअे छीअे.

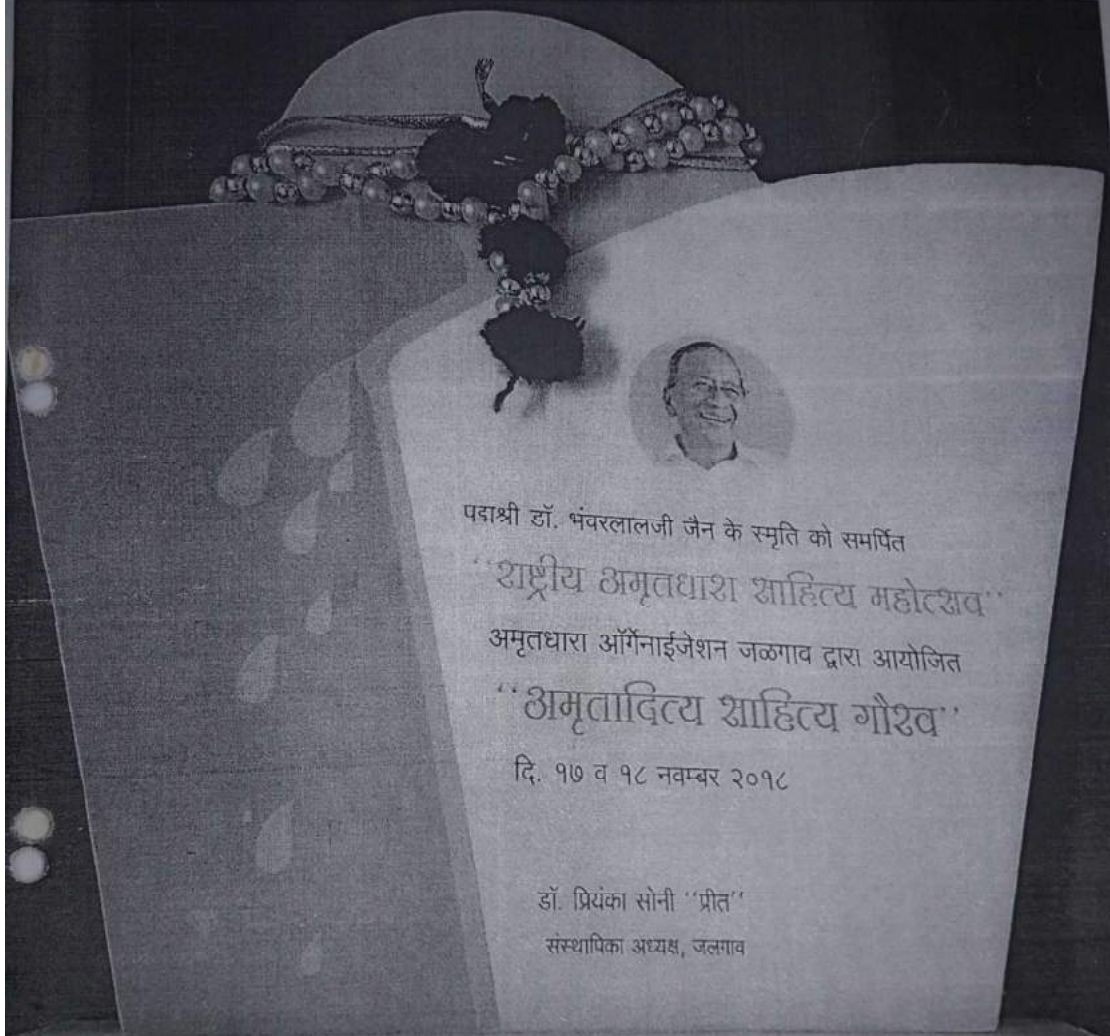
स्थल : हिंमतनगर

ता. १८/०१/२०१८

डॉ. अणुरागसिंह चौहान  
भारतमात्र  
गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर

डॉ. अ. अ. पटेल  
सेमिनार संयोजक

डॉ. के. अ. पटेल  
प्रिन्सिपाल  
महिला आर्ट्स कोलेज, हिंमतनगर



पदाश्री डॉ. भंवरलालजी जैन के स्मृति को समर्पित

“शास्त्रीय अमृतधाश साहित्य महोत्सव”

अमृतधारा ऑर्गेनाइजेशन जळगाव द्वारा आयोजित

“अमृतादित्य साहित्य गौश्व”

दि. १७ व १८ नवम्बर २०१८

डॉ. प्रियंका सोनी “प्रीत”

संस्थापिका अध्यक्ष, जळगाव

डॉ. भावना सावलिया - द्वितीय पुरस्कार



अमृतधारा ऑर्गेनाइजेशन जलगाँव



## “अमृतधारा साहित्य महोत्सव”

दिनांक 17 व 18 नवम्बर, 2018

**प्रमाण पत्र**



श्री/श्रीमती/डॉ. भावना सावलिया

सजुन सरिता के प्रवाहक, लोक चेतना के साधक, प्रीति पीयूष के अराधक  
सारस्वत सुषमा के संवाहक, कला के पूजक आपको आपके कृतित्व-व्यक्तित्व  
से आपकी कलम से सर्जित शब्द धर्मिता के अखंड प्रयास के लिए संस्था द्वारा  
8वें साहित्य सम्मेलन में -

### “अमृतादित्य साहित्य गौरव”

सम्मान से सम्मानित कर संस्था गौरवान्वित है। आपकी लेखनी की  
धारा अविरत बहती रहे। इन्हीं शुभ कामनाओं सहित...

*Dr. Priyanka Soni*

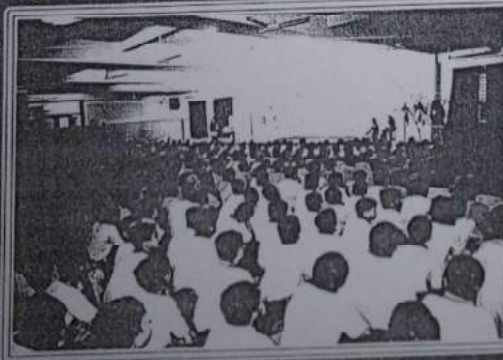
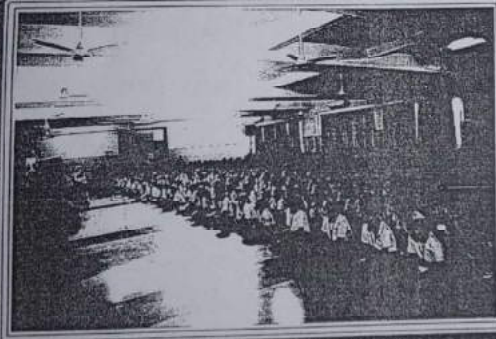
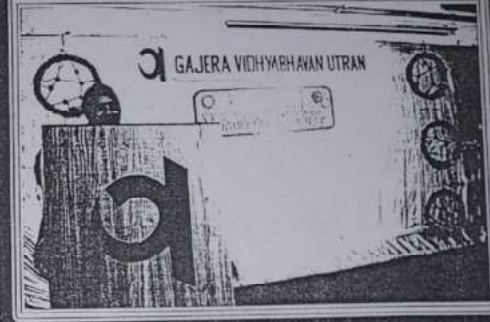
डॉ. प्रियंका सोनी 'प्रीत'

संस्थापिका, राष्ट्रीय अध्यक्ष

## ભાષા સજ્જતા સેમીનાર

" ભાષા તો વ્યક્તિના વ્યક્તિત્વનું ઘરેણું છે."

આવા જ આશય સાથે તા.૧૨-૧૦-૨૦૧૮ ને શુક્રવારના રોજ ધોરણ ૭ અને ૮ ના વિદ્યાર્થીઓ માટે ભાષા સજ્જતા સેમીનારનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું આ તકે મોડાસા આર્ટ્સ કોલેજના પ્રોફેસર ડૉ.ભાવનાબેન સાવલિયા એ પોતાની આગવી શૈલીમાં વિદ્યાર્થીઓને બોલચાલમાં ઉપયોગમાં લેવાતી ભાષાને કેવી રીતે શુદ્ધ ઉચ્ચારણ સાથે બોલી શકાય તે અંગેનું માર્ગદર્શન આપ્યું હતું.





SMT. SHANTABEN HARIBHAI GAJERA CHARITABLE TRUST  
SMT. S. H. GAJERA PRIMARY, SECONDARY & H. SECONDARY SCHOOL

Near Ulran Power House, Ulran, Surat - 394107 ☎ 88667 00061, 62 63  
E-Primary : principal.ugp@gajeratrust.org | www.gajeratrust.org | Sec. & H.Sec. : principal.ush@gajeratrust.org  
INDEX No. : S.S.C. - 68,921 | H.S.C. - 18,886



Ref. No.: ૩૭

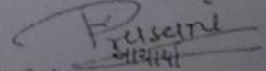
Date: 22/10/18

વિષય: ભાષા સજ્જતા સેમીનાર

" ભાષા તો વ્યક્તિના વ્યક્તિત્વનું ઘરેણું છે."

આવા જ આશય સાથે તા.૧૨-૧૦-૨૦૧૮ ને શુક્રવારના રોજ ધોરણ ૭ અને ૮ ના વિદ્યાર્થીઓ માટે ભાષા સજ્જતા સેમીનારનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું આ તકે મોડાસા આર્ટ્સ કોલેજના પ્રોફેસર ડૉ.ભાવનાબેન સાવલિયા એ પોતાની આગવી શૈલીમાં વિદ્યાર્થીઓને બોલચાલમાં ઉપયોગમાં લેવાતી ભાષાને કેવી રીતે શુદ્ધ ઉચ્ચારણ સાથે બોલી શકાય તે અંગેનું માર્ગદર્શન આપ્યું હતું.

આચાર્યા ની સહી

  
આચાર્યા

શ્રીમતી એસ.એચ.ગજેરા પ્રાથમિક શાળા

डॉ. भावना एन. सक्लिया  
ब्याख्याता, हिन्दी विभाग  
आर्ट्स कॉलेज, मोडागा.  
मो. नं. 9879650456  
8849842456

"रश्मिरथी खण्डकाव्य में व्यक्त दलित चेतना"

'दलित' शब्द का अर्थ :-

'दलित' शब्द का अर्थ है - दलना, दमन किया हुआ, उत्पीडित, मर्दित, शोषित, उपेक्षित किया गया, कुचला गया और रौंदा गया आदि।<sup>1</sup> 'दलित चेतना' का सूत्र हमें सिद्धों और संतों के साहित्य में मिल जाता है। सिद्धों और संतों में अनेक उपेक्षित और बंचित रचनाकार थे, जिन्होंने ने भोगे हुए यथार्थ का पूरी जीवन्तता और प्रामाणिकता के साथ चित्रण किया है। कबीर, रैदास, रज्जव, दादू, मलूकदास, नानक सभी ने अपने तरीके से एक समतावादी समाज को मानवतावादी ढाँचे में स्थापित करके सामाजिक एकता का प्रयास किया है। उनकी बानी में व्यक्त संवेदनशील उदात्त मानवीय पक्ष उनकी बानीको समसामयिक, प्रासंगिक एवं कालजयी बनाता है। आधुनिक युग के युग पुरुष महात्मा गाँधी का प्रयास भी अत्यंत सार्थक, व्यवहारिक एवं मानवतावादी रहा था।

'चेतना' शब्द का अर्थ :-

'चेतना' शब्द का अर्थ है - मन की वह वृत्ति या शक्ति, जिस में जीव या प्राणी को आंतरिक (अनुभूतियों, भावों, विचारों आदि) और बाह्य (घटनाओं) तत्त्वों या बातों का अनुभव या भान होता है। 'चेतना' शब्द का दूसरा अर्थ है 'ज्ञानात्मक मनोवृत्ति का उदय होना।

सामान्यतः 'दलित-चेतना' का अर्थ होता है प्रताडित, अपमानित दबे हुए लोगों की ज्ञानात्मक मनोवृत्ति का उदय होना। आजादी के बाद गाँधीवादी चिंतन के प्रभाव में आकर हरिजी, माता प्रसाद, मंशाराम आदि दलित रचनाकारों ने दलित लेखन किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने "शास्त्रों में निहित अमानवीय दृष्टि का विचार-विश्लेषण करके 'दलित-चेतना' को जगाया और उसे विद्रोह, संघर्ष और संगठन के मार्ग पर ले गए। उनके द्वारा निर्दिष्ट 'दलित-चेतना' का लक्ष्य है - विशुद्ध मानवता की स्थापना।" इस लक्ष्य की ओर बढ़ने का रास्ता काफी जटिल, संघर्षमय तथा आत्मपरीक्षण से युक्त था। धर्म, लिंग, वंश आदि से परे जाकर मनुष्य की पूर्ण प्रतिष्ठ, मनुष्य की अस्मिता के प्रति, उसके स्वाभिमान के प्रति आदर की भावना, यही तो है 'दलित-चेतना'। 'दलित-चेतना' को एक जाति अथवा वर्ग तक सीमित करना उस पर अन्याय करना है।<sup>2</sup>

आधुनिक युग के परिप्रेक्ष्य में देखें तो दलित बनाने और दलित बनने के कारण बाहर भी हैं और हमारे भीतर भी मौजूद हैं। जैसेकि कार्यालय की कुर्सी पर बैठा अधिकारी अपने वर्चस्व और अहंकार से कर्मचारियों को स्वतंत्र माहोल में कार्य नहीं करने देता है। उनके अनावश्यक दबाव के कारण कार्यालय का वातावरण दबा, संकुचित, संकीर्ण, घूटन और नकारात्मक सोच से भरा रहता है, पता नहीं चलता कि किस क्षण आधी-अधूरी नौकरी

दाँव पर चढ़ जाएगी। सर्विस बूक के पन्ने स्याही रंगों में रंग दिये जायेंगे, कारण बताओ नोटिस जारी कर दी जाएगी, वेतन, पदोन्नति (Promotion) या वेतनभत्ता रोक दिया जाएगा, कोई नहीं जानता। ऐसे बाराबरण में व्यक्ति डर, भय, आतंक और चाटुकारिता (Sycophancy) की मनोवृत्ति का शिकार होता है। जहाँ चाटुकारिता ही सब कुछ को वहाँ दास मनोवृत्ति का जन्म होता है। ऐसे डरे, सहमें, दास व्यक्ति भी दलित नहीं है तो क्या है ?

नाम, पद, प्रतिष्ठा और पैसे के बल-बूते पर आज रातो-रात अयोग्य व्यक्ति को योग्य बना दिया जाता है, प्रतिभाओं का शोषण हो रहा है, व्यक्ति की योग्यता तिरस्कृत है, अपात्र और अयोग्य प्रशंसित है। व्यक्ति के आत्म-सम्मान, स्वाभिमान, स्वाभाविक स्वतंत्रता, स्वतंत्र निर्णय, मानवीय अधिकारों, योग्यता, निष्पक्षता, न्याय का निरंतर दलान हो रहा है। ऐसी उपेक्षित स्थितियों में जीनेवाला प्रत्येक व्यक्ति दलित है। यही शोषण की पराकाष्ठा का परिणाम मनुष्य की हताशा और उनके आत्मघाती निर्णयों में दिखाई देती है। बिलकुल इसके विपरीत कई बार दलित व्यक्ति अपनी शिक्षा, पद, प्रतिष्ठा, आत्मविश्वास, मानसिक संबल और स्वतंत्रता से अपने को दास मानसिकता से मुक्त कर लेता है।

कहने का तात्पर्य यह है कि स्त्री-पुरुष, बूढ़ा, बच्चा, जवान, किसी भी जाति, वर्ण, वर्ग या नस्ल का व्यक्ति हो, यदि वह शोषित है तो वह दलित है। शोषण घर, बाहर, खेत-खलिहान, हाट, बाजार, दुकान, दफ्तर, स्कूल, कॉलेज सर्वत्र हो रहा है। शोषण की महाव्याप्ति दैहिक, बौद्धिक, मानसिक, भावनात्मक स्तर से लेकर सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक अनेक स्तरों पर क्रियाशील है। दलित मतलब मानवीय अधिकारों से वंचित, सामाजिक तौर पर जिन्हें उपेक्षित किया गया है।

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में व्यक्त 'दलित-चेतना' :-

बहुमुखी प्रतिभा के साहित्यकार रामधारी सिंह 'दिनकर' का जन्म बिहार राज्य, जिला - मुंगेर, सिमरियाँ नामक गाँव में, बाबू रवि सिंहजी के घर 23 सितम्बर 1908 में हुआ था। उनका साहित्य विविध चेतनाओं का पूँज है। उनकी कविताओं में युग-चेतना का पूर्ण रूप से निर्वहन हुआ है। इसी अर्थ में वे अपने युग के प्रतिनिधि कवि हैं। उन्होंने ने स्वयं अपने आपको अपनी भावनाओं में युग का वैतालिक, पौरुष का पूँजीभूत ज्वाला, युगधर्म की हुँकार, ज्योतिर्धर, यौवन को ज्वार बनानेवाला, मरघट में अपने गानों के द्वारा जीवन फूँकनेवाला, भ्रियमान जाति को प्राण देनेवाला कहा है। उससे उनकी जो मुद्रा उभरी है वज एक क्रांतिकारी, राष्ट्रवादी एवं 'दलित-चेतना' की है।

कविवर दिनकर कृत 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य महाभारतका उपेक्षित, प्रताडित, अपमानित प्रमुख पात्र, महारथी कर्ण के जीवन पर आधारित है। जिसका प्रकाशन सन् 1952 ई. में हुआ था। कर्ण महाभारत का अत्यन्त यशस्वी और उर्जावान, दानी एवं वीर पुरुष है। उनका जन्म पाण्डवों की माता कुन्ती के गर्भ से उस समय हुआ था जब कुन्ती अविवाहित थीं। अतएव कुन्ती ने लोकलज्जा के डर से नवजात शिशु को एस मंजूषा में बंद करके नदी में बहा दिया। निःसंतान अधिरथ और राधा नाम के दम्पति ने कर्ण का लालन-पालन किया।



कविवर दिनकर 'रश्मिरथी' के वर्ण्य विषय में लिखते हैं कि "यह युग दलितों और उपेक्षितों के उद्धार का युग है। ..... कर्ण चरित के गुणों की चिंता इस बात का प्रमाण है कि हमारे समाज में मानवीय गुणों की पहचान बढ़ानेवाली है। कुल और जाति का अहंकार बिदा हो रहा है। आगे मनुष्य केवल उमी पद का अधिकारी होगा जो उसके अपने सामर्थ्य से सूचित होता है, उस पद का नहीं, जो उसके माता-पिता या वंश के देन हो। इसी प्रकार व्यक्ति अपने निजी गुणों के कारण जिस पद का अधिकारी है वह उसे मिलकर रहेगा। यहाँ तक कि उसके माता-पिता के दोष भी इसमें कोई बाधा नहीं डाल सकेंगे। कर्ण कर्ण चरित्र का उद्धार एस तरह से नई मानवता की स्थापना का ही प्रयास है।<sup>१</sup>

'रश्मिरथी' में मानवतावादी चिन्तन की कवि ने प्रतिष्ठा की है। कर्ण कुन्ती का कानीन पुत्र, (अविवाहिता स्त्री का पुत्र) सुतपुत्र और दुर्योधन का साथी होने के कारण धर्म और वर्ण व्यवस्था के कट्टर समर्थक संस्कृत कवियों ने कर्ण को नायक का दर्जा नहीं दिया दिया। वर्तमान युग की मानवतावादी विचारधारा से प्रेरित होकर हिन्दी के युग कवियों का ध्यान संस्कृतसाहित्य के उपेक्षित पात्र की ओर गया। इसके परिणाम स्वरूप वर्तमान कवि ने कर्ण को दलितों, बिछड़े हुए, दबे हुए, अन्यायी, उपेक्षित लोगों के नायक के रूप में प्रतिष्ठित किया। 'रश्मिरथी' काव्य का नामकरण भी कवि ने कर्ण को पूण्यप्रताप का केन्द्र मानकर श्रद्धाभाव से किया है। रश्मि रूपी रथ का स्वामी कर्ण अपनी जाति, वंश, गोत्र आदि की मर्यादा से नहीं बना, किन्तु अपनी धर्मनिष्ठा, दानशीलता, तितिक्षा, कृतज्ञता, अदृष्ट मैत्रीभावना आदि गुणों के कारण उसने समाज में अपना स्वतंत्र स्थान बनाया था।<sup>२</sup>

'रश्मिरथी' की कथा सात सर्गों में विभाजित है। जिसमें कर्ण के बाल्यकाल से लेकर युद्ध में अर्जुन द्वारा उसके वध तक के कथा उसके जीवन संघर्षों पर आधारित है। कर्ण जन्म से ही क्षत्रिय पुत्र होते हुए वह संघर्षों का सामना करता हुआ स्वयं अपना पथ-प्रदर्शक बनता है। प्रथम सर्ग में अख-शख प्रदर्शन में कर्ण अर्जुन के सामने चलकर द्वंद्व युद्ध के लिए ललकारता है, किन्तु कृपाचार्य द्वारा उसकी (कर्ण की) जाति और कुल पूछने पर उसे लज्जित होना पड़ता है। पर कर्ण जातिवाद का खाण्डन इन शब्दों में करता है कि -

“जाति जाति रहते जिनकी पूँजी केवल पाषंड,  
मैं क्या जानूँ जाति ? जाति है ये मेरे भूजदंड ।  
उपर सिर पर कनक छत्र, भीतर काले के काले,  
शरमाते हैं नहीं जगत् में जाति पूछनेवाले ।.....  
सूतपुत्र हूँ मैं लेकिन थे पिता पार्थ के कौन ?  
साहस हो तो कहो, ग्लानि से रह जाओ मत मौन ।  
मस्तक ऊँचा किये, जाति का नाम लिए चलते हो,  
पर अधर्ममय शोषण के बल से सुख से पलते हो ।  
अधम जातियों से थर थर काँपते तुम्हारे प्राण,  
छल से माँग लिया करते हो अँगूठे का दान ।”<sup>३</sup>

यहाँ पर कर्ण ने जातिवाद की भर्त्सना, अभिजात वर्ग के खोखलेपन की टीका और गुरु की निर्दयता पर व्यंग्य किया है। जब कर्ण अर्जुन को अपने क्षत्रियत्व का तेज दिखाने की और स्वयं को महाजाति की पहचान देने की बात करता है तब कृपाचार्य कर्ण को अपमानित करना नहीं छोड़ते -

"राजपुत्र से लड़े बिना होता हो अगर अकाज,  
अर्जित करना तुम्हें चाहिए पहले कोई राज।"<sup>१६</sup>

प्रतिभावान कर्ण अपना अन्याय सह नहीं पाता तब दुर्योधन कर्ण का तेजोमय व्यक्तित्व देखकर उसे सामाजिक सम्मान दिलाता है। उसे अंगदेश का राजा घोषित करके एक राजा का अधिकार देता है।

"कर्ण भले ही सुतपुत्र हो, अथवा श्वपच, चमार  
मलिन, मगर, इसके आगे हैं सारे राजकुमार।  
करना क्या अपमान ठीक है इस अनमोल रतन का!  
बिना राज्य यदि नहीं वीरता का इस को अधिकार,  
तो मेरी यह खुली घोषणा सुने सकल संसार।  
अंगदेश का मुकुट कर्ण के मस्तक पर धरता हूँ,  
एक राज्य इस महावीर के हित अर्पित करता हूँ ॥"<sup>१७</sup>

कर्ण युग-चेतना का महापूँज है। वह महाभारत के सभी शक्तिशाली योद्धाओं से बढकर है। इसलिए तो कर्ण जब अंगदेश का राजा घोषित होता है तब द्रोणाचार्य की हीन मानसिकता दृष्टिगोचर होती है। जैसे -

"जन में नहीं जगत् में अर्जुनअर्जुन! कोई प्रतिबल तेरा,  
टँगा रहा है एक इसी पर ध्यान आज तक मेरा।  
एकलव्य से लिया अँगूठा, कढी न मुख से आह,  
रखना चाहता हूँ, निष्कंटक बेटा : तेरी राह।  
मगर आज जो कुछ देखा इससे धीरज हिलता है,  
मुझे कर्ण में चरम वीरता का लक्षण मिलता है।"<sup>१८</sup>

वास्तव में गुरु आदर्श व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के निर्माता होते हैं। उनके दिल में प्राणी मात्रके प्रति समभाव और मंगलकामना का भाव होना चाहिए। पर ये गुणों का अभाव 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में दिखाई देता है। प्रथम सर्ग में कृपाचार्य और द्रोणाचार्य के द्वारा और दूसरे सर्ग में परशुराम के द्वारा कर्ण को उपेक्षित और अपमानित किया जाता है, जो एक गुरु के संस्कार को लज्जित करता है। यहाँ गुरु का अहंकारी स्वभाव और जाति-पाँति की हीन मानसिकता देखिए, कर्ण की गुरुभक्ति देखने के बजाय उसे शाप का शिकार बनना पड़ता है -

"तू अवश्य क्षत्रिय है. पापी ! बता, न तो फल पायेगा,  
परशुरामा के कठिन शाप अभी भस्म हो जायेगा ।"१६

"सिखलाया ब्रह्मास्त्र तुझे जो काम नहीं वह आयेगा,  
है यह मेरा शाप समय पर उसे भूल तू जायेगा ।"१७

शाप को पाकर कर्ण की बशा दयनीय जो जाती है। वह कहता है कि वर्षों की साधना के साथ आप मेरा प्राण क्यों नहीं लेते हैं ? अब मुझे किस सुख के लिए धरती पर जीना है ? पर परशुराम का क्रोध पिघलता नहीं है। गुरु की निद्रा न टूट जाए, ऐसी गुरुभक्ति से जहरीले कीटक की पीडा सहने का क्या फल मिला ?

जब उपेक्षितों, दबे हुए तथा अपमानितों का शौर्य, साहस और चेतना जागृत हो उठती है तब अभिजात वर्ग के पाँव तले से जमीन खिसक जाती है। ऐसी बात तीसरे सर्ग में दिखाई देती है। कर्ण का पौरुषत्व कृष्ण कर्ण को कुन्ती का पुत्र बताकर पाण्डव पक्ष में मिलने की और उसे सारा साम्राज्य दिलाने की बात करते हैं तथा कुन्ती को उसकी माता बताता है और पाण्डवों को उनके भाई। तब कर्ण कृष्ण की भी नहीं सुनता है। वह कुन्ती की निर्दयता को लेकर कहता है कि -

"पत्थर समान उसका हिय था सुत से समाज बढकर प्रिय था,  
गोदी में आग लगाकर के, मेरा कुल-वंश छिपा करके,  
दुश्मन का उसने काम किया, माताओं को बदनाम किया।  
मैं जाति-गोत्र से हीन, दीन, राजाओं के सम्मुख मलीन,  
जब रोज अनादर पाता था, कह 'शूद्र' पुकारा जाता था  
पत्थर की छाती फटी नहीं, कुन्ती तब भी तो कटी नहीं ।"१८

वह अपने तेजस्वी, वीर लोभमुक्त व्यक्तित्व का परिचय देते हुए कृष्ण को कहता है कि -

"कुल गोत्र नहीं साधन मेरा, पुरुषार्थ एक बस धन मेरा,  
कुल ने तो मुझे फैंक दिया था, मैंने हिम्मत से काम लिया।  
अब वंश चकित भरमाया है, खुद मुझे खोजने आया है।  
लेकिन मैं लौट चलूँगा क्या ? अपने प्राण से विचलूँगा क्या ?  
रण में कुरुपित का विजय वरण, या पार्थ हाथ कर्ण का मरण।  
हे कृष्ण ! यही मति मेरी है, तीसरी नहीं गति मेरी है ।"१९

चतुर्थ सर्ग में इन्द्र छल से कर्ण के कवच और कुण्डल दान में माँग लेते हैं, इस समय दानवीर कर्ण देने में लेश मात्र हिचकिचाता नहीं है। कर्ण की उदारता, उनका आदर्श और मानवीय संवेदना देखकर स्वयं देवराज लज्जित होते हैं। जैसे -



“देवराज ! छल छद्म, स्वार्थ, कुछ भी न साथ लाया है,  
 मैं केवल आदर्श, एक उनका बनने आया हूँ ।  
 जिन्हें नहीं अवलम्बन दूसरा, छोड़ बाहु के बल को,  
 धर्म छोड़ भजते न कभी, जो किसी लोभ से छल का ।  
 मैं उनका आदर्श, जिन्हें कुल का गौरव ताडेगा,  
 ‘नीचवंशजन्मा’ कहकर जिन को जग धिक्कारेगा ।  
 मैं उनका आदर्श, कही जो व्यथा न खोल सकेंगे,  
 पूछेगा जग, किन्तु पिता का नाम न बोल सकेंगे,  
 जिनका निखिल विश्व में कोई नहीं न अपना होगा  
 मन में लिए उमंग जिन्हें चिरकाल कल्पना होगा ।  
 मैं उनका आदर्श, किन्तु जो तनिक न घभराभरायेंगे,  
 निज चरित्र-बल से समाज में पद विशिष्ट पायेंगे ।  
 सिंहासन हे नहीं, स्वर्ग भी जिन्हें देख नत होगा,  
 धर्म हेतु धन-धाम लूटा देना, जिनका व्रत होगा ।”<sup>१३</sup>

पंचम सर्ग में जब कुन्ती कर्ण को अपना बेटा बताती है राधा का नहीं तब बड़े स्वाभिमान से राधा की वात्सल्यता भावना और कुन्ती की निष्ठुरता इस प्रकार प्रकट करता है -

“उसको सेवा, तुमको सुकीर्ति प्यारी है,  
 तुम ठकुरानी हो, वह केवल नारी है ।  
 तुमने तो तन से मुझे काढकर फैंका,  
 उसने अनाथ को हृदय लगाकर सेका ।  
 उमड़ी न खेह की उज्ज्वल धार हृदय से  
 तुम सुख गई मुझ को पाते हे भय से  
 पर राधा ने जिस दिन मुझ को पाया था,  
 कहते हैं उसको दूध उतर आया था ।”<sup>१४</sup>

आशिर्वाद देनेवाली माँ होती है । पर कुन्ती के पास आशिर्वाद की कोई अपेक्षा नहीं होती है, बल्कि कर्ण उनके आँचल में पाँचों पुत्रों का दान दे देते हैं । यहाँ पर अर्जुन को छोड़कर अन्य चारों पाण्डवों को न मारने का अधिकार छिन लिया जाता है ।

षष्ठवें सर्ग में भी कर्ण का भाग्य साथ नहीं देता है । जो पार्थ से जीत प्राप्त करने के लिए इन्द्र द्वारा प्राप्त एकहूनी अस्त्र बचाकर रखा था वह भी दुर्योधन के कहने पर उसे घटोत्कच्छ पर मजबूर होकर वार करना पड़ता है । तब वह स्वयं अपने भाग्य को कोसता है, पर निराश नहीं होता है ।

सप्तम सर्ग भी कर्ण के प्रगति का पथ निष्कण्टक नहीं रहा है। वहाँ पर भी युद्ध के मैदान में कर्ण के साथ धोखा हुआ है। युद्ध के मैदान में कर्ण जमीन में धँसे हुए रथ का पहिया निकाल रहा था तब निःशस्त्र कर्ण पर कृष्ण के संकेत से अर्जुन बार करता है और कर्ण धराशायी हो जाता है। जैसे -

“विपद में कर्ण को यों ग्रस्त पाकर,  
शरासनहीन, अस्त-व्यस्त पाकर,  
जगाकर पार्थ को भगवान् बोले,  
खडा है देखता क्या मौन भोले ?  
शरासन तान, बस अवसर यही है,  
घडी फिर और मिलने को नहीं है।  
विशिख कोई गले के पार कर हे,  
अभी ही शत्रु का संहार कर दे।”

यहाँ पर यह दिखाया गया है कि स्वयं भगवान् भगवान् जानता था कि सशस्त्र कर्ण को मार पाना संभव नहीं है, वे कर्ण की ताकत, शक्तिशक्ति, शौर्य और प्रतिभा पहचानते थे।

समग्रती देखा जाए तो 'रश्मिरथी' खण्ड काव्य में प्रारंभ से लेकर अंत तक कर्ण का जीवन-चरित्र बना हुआ है। कर्ण को जन्म से लेकर अंत तक प्रताडता, उपेक्षा, पीडा और अपमानके काँटे ही मिलते रहे हैं पर उन्होंने ने अपने पुरुषार्थ से वही काँटे को सिर्फ अपने लिए ही दूर नहीं किए पर जिनका कोई नहीं है उनका आदर्श बनकर वे धर्म को निभाते हुए अपना सब कुछ लूटा देते हैं। उन्होंने ने अपना सारा जीवन व्यक्ति, समाज, देव, दानव, माता सबको समर्पित करते रहे हैं। कर्ण के उदार और उदात्त एवं गरिमामय व्यक्तित्व को लेकर स्वयं कृष्ण भी कहते हैं कि -

“मगर जो हो, मनुज सुवरिष्ठ था वह।  
धनुर्धर हे नहीं, धर्मिष्ठ था वह।  
तपस्वी, सत्यवादी था व्रती था,  
बडा ब्रह्मण्य था, मन से यती था।  
हृदय का निष्कपट, पावन क्रिया का,  
दलित-तारक, समुद्धारक त्रिया का,  
बडा-बेजोड दानी था, सहृदय था,  
युधिष्ठिर कर्ण का अद्भूत हृदय था।  
किया किसका नहीं कल्याण उसने ?  
दिये क्या क्या न छिपकर दान उसने ?  
जगत के हेतु ही सर्वस्व खोकर  
मरा वह आज रण में निःस्व होकर।”<sup>१५</sup>

संक्षिप्त में कहा जाए तो 'रश्मिरथी' के माध्यम से कविवर दिनकर जी ने युग-युग से प्रताडित, उन्मत्त, पद-दलित समाज के अंगों के जीवन को उज्ज्वल एवं उन्नत बनाने का महान संदेश प्रदान किया है। इसमें जातिवाद का खण्डन और अछूतोंद्वारा की चेतना व्यक्त हुई है।

संदर्भसूची :-

१. दलित विमर्श और विवेकीराय की कहानियाँ - संपादिका : डॉ. नलिमा शाह (कौशिक प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण - 2009) पृ. ७
२. वही - पृ. ७
३. 'रश्मिरथी'- दिनकर भूमिका २१ से (उदयाचल प्रकाशन, पटना - 4, चतुर्थ संस्करण - 1957)
४. रामधारी सिंह 'दिनकर' के साहित्य में जीवन-मूल्य - डॉ. शोभा सूर्यवंशी - पृ. १०३ (विकास प्रकाशन, कानपुर, प्रथम संस्करण - 2012)
५. 'रश्मिरथी'- रामधारी सिंह 'दिनकर' - पृ. १५ (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण - 2012)
६. वही पृ. १६
७. वही पृ. १६
८. वही पृ. १९
९. वही पृ. २८
१०. वही पृ. ३०
११. वही पृ. ४१
१२. वही पृ. ४५
१३. वही पृ. ६०
१४. वही पृ. ७३
१५. वही पृ. ११७

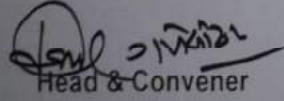
UGC Sponsored National Seminar

## C. N. Arts & B. D. Commerce College, Kadi

(Managed by Shri M.P.Shah Education Society, Kadi)  
(UGC College with Potential for Excellence - XIIth Plan)

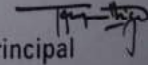
### Certificate

This certificate is awarded to Dr./ ~~Mr./Ms.~~ Bhavna Nanjibhai Savaliya for his/her  
participation / paper presentation on Rashmirathi Khandkavya me in UGC Sponsored  
vaykt Dalit chetana.  
National Seminar on 'Dalit Sahitya' organised by Post-Graduate Department of Gujarati, C.N.Arts & B.D.  
Commerce College, Kadi, Gujarat- on 20th December.2017.

  
Head & Convener

Gujarati Department  
Dr. J.M. Chavda  
Dr. G.C. Sodhaparmar



  
Principal

Dr. G. D. Tripathi  
C. N. Arts & B. D. Commerce Collge, Kadi  
Dist : Maheshana, Gujarat



वर्ष : 3 अंक : 9

अप्रैल-जून 2016

ISSN 2348-8174

# साहित्य कलशा

साहित्यिक पत्रिका



## माँ

विशेषांक

ये भी तेरी दुआओं का भदका है मेरी माँ  
कतरे को आज जिसने समन्दर बना दिया

माँ के कदमों में जरा सीस झुका कर देखो  
मैंने देखा है मुकद्दर को बदलते 'सागर'

मूल्य  
25/-

संपादकः  
सागर सुज

पंजाब की पहली साहित्यिक पत्रिका जिसे नेत्रहीन पढ़ और सुन सकते हैं

# साहित्य कलश

वर्ष : 3 अंक : 9

त्रैमासिक पत्रिका

इस अंक में :

अप्रैल-जून 2016

संस्थापक एवं सम्पादक :

संजय कुमार 'सागर सूद'

098728-88174, 088728-88174

सह सम्पादक :

शशि नाला

प्रबन्धकीय सम्पादक :

प्रो. मधु नरुला

094635-46699

संरक्षक :

1. डॉ. रश्मि खुराना

(पूर्व सहायक केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी)

2. श्रीमती सुष्मा गुप्ता

(संजय सागर सजाया कर्म-व्यवस्था समिति, जालंधर एवं रायिव नगर सजाया कर्म-व्यवस्था समिति, जालंधर)

3. श्री हरप्रीत संघु

(M.D. Deffodils Group Of Schools)

4. प्रो. सुभाष शर्मा 'नूर'

(पूर्व मुख्य अंग्रेजी विभाग, महिन्दा कॉलेज, पटियाला)

5. श्री हरकेश सिंह हैरत

(पूर्व सीनियर सहायक, भाषा विभाग, पटियाला)

कानूनी सलाहकार :

श्रीमती आशा रानी (एडवोकेट)

सलाहकार :

01. श्रीमती अलका अरोड़ा (पटियाला)

02. श्री प्रेम शर्मा (पटियाला)

03. स. महेंद्र सिंह जग्गी (पटियाला)

04. श्री भीम सैन मौदगिल (पटियाला)

05. डॉ. इन्द्रपाल कौर (पटियाला)

06. श्रीमती गुरचरण कौर (पटियाला)

07. श्री इरफान सलमानी (पटियाला)

08. श्री आर. डी. जिंदल (पटियाला)

• सभी पद अवैतनिक हैं।

संपादकीय - 3

माँ : मुन्वर राना-18, राजेन्द्र नाथ 'रहवर'-18, जमीर दरवेश-18, कुसुम खुशबू-18, इकराम राजस्थानी-19, अनुराग मिश्र 'गैर'-19, सीमा शर्मा मेरठी-19, इरशाद 'आतिफ' बदापुरी-19, ख्याल खन्ना-20, अमित अहद-20, सागर सयालकोटी-20, वैजनाथ शर्मा 'मिटू'-20, सागर सूद-21, अशोक अजुम-21, सलीम तन्हा-22, डॉ. प्रतिभा माही-22, रेखा अग्रवाल-22, लता स्वरांजलि-22, सिया सचदेव-23, डॉ. महेश कुमार 'नक्श'-23, सुमन अग्रवाल-23, अनुराधा जसरोटिया-23, सागर त्रिपाठी-24, भावना-24, अजय अज्ञात-24, महेश दुवे-24, सिमर सटोप-25, निरुपमा अग्रवाल-25, किशोर श्रीवास्तव-26, हरप्रीत सिंह राणा-26, सीमा सिंह-27, डॉ. इन्द्रपाल कौर-29, जाकिर प्रतापगढ़ी-29, प्रदीप गर्ग-29, शाद पीलीभीती-30, गुणवीर राना-30, जसवीर सिंह तन्हा-30, आजम सावन खान-30, शत्रुघ्न गुप्ता-31, बट्टी लाल 'दिव्य'-31, मुकेश दर्पन-32, बी.आर. गुप्ता-32, कुलमपुष्प कालड़ा-33, शम्भु जिंदल-33, प्रो. फूलचंद मानव-34, सिम्मी भाटिया-34, सुसुक्खा शर्मा 'साहिल'-34, प्रीतम प्रवारी-35, महेश पटियालवी-37, मधु चोपड़ा-37, महेंद्र सिंह जग्गी-37, डॉ. एन. डी. मिश्र-38, डॉ. कामिनी साहिर-39, सुभाष चंद्र शर्मा-39, विपिन विक्रम सिंह-40, गोविंद शर्मा-40, हरिन्दर सिंह गोगना-40, आर. पी. गुलाटी-41, नमंदा प्रसाद कारी-41, डॉ. मनमोहन सहगल-42, आशा पाण्डेय ओझा-46, भीमसेन मौदगिल-46, अलका अरोड़ा-47, डॉ. प्रीतिप्रवीण खरे-47, शिवनाथ 'विस्मिल'-47, राम प्रकाश शर्मा-48, नीता सेनी-48, जय प्रकाश पाण्डे-48, तेज वीर सिंह-49, इजी. प्रमलीन 'परी'-49, रश्मि प्रणय-49, रोता गुप्ता-50, विरेंद्र वीर मेहता-50, ललितापुरी 'मजमूनोहर'-51, यशपाल शर्मा-51, मीनू सुखमन-52, राजेन्द्र यादव-52, अनिल पटानकोटी-52, डॉ. आशा अनंजा-53, गणेश जी 'बागी'-56, शंकर जी सिंह-57, योगेन्द्र वर्मा 'व्योम'-57, रवि कुमार-57, गुरचरण कौर-58, चंदेश कुमार छतलानी-58, प्रमोद साहू 'पारखी'-58, मीनू-59, रवि रश्मि 'अनुभूति'-59, प्रिया वच्छानी-60, भावना दीपक मेहरा-60, गुरजित इलाहाबादी-61, अनंद कुमार-61, डॉ. धर्मपाल साहिल-51, राखी सुरेंद्र कनकने-66, आशा शैली-66, अनुपमा दीक्षित मयंक-66, आर. डी. जिंदल-70, डॉ. महेश गौतम-70, अमरजीत सिंह वडैच-71, डॉ. भावना एन. सावलिया-71, ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह 'रवि'-71, राजेन्द्र स्वर्णकार-72, धोरज वर्मा-72, मुकेश नास्तिक-72, डॉ. पूरन सिंह-73, प्रियंका-73, प्रमजीत कौर सदाना-74, दिनेश दवे-74, बबली आहूजा-74, संजय दर्दी-74, चाँद शर्मा-75, महेश कुमार 'नक्श'-75, सोनरूपा-75, हरीदत्त 'हबीब'-75, शिवा त्रिपाठी 'सरस'-76, सरिता नौहरिया-76, अजय श्रीवास्तव 'अशक'-76, आबशार 'आदम'-77, इजी. आशा शर्मा-77, डॉ. रमेश पारस कटारिया-77, ज्योतिकृष्ण वर्मा-78, डॉ. पूनम गुप्त-78, पुरुषोत्तम मदनलाल जाजू-78, जसप्रीत सिंह 'प्रीत'-79, कोमलदीप-79, मधु नरुला-79, सपना मागलिक-79

साक्षात्कार - डॉ. मुक्ता (डॉ. रश्मि खुराना)-63  
शोध निबंध - मनदीप कौर-67  
पुरस्कृत समीक्षा - डॉ. रश्मि खुराना (समीक्षक)-डॉ. मनमोहन सहगल-62

कार्यालय : 32/3, अमर शक्ति निवास, महिन्दा कलोनी, सामने महिन्दा कालेज, पटियाला - 147001(पंजाब)

Email- sahitayakalash@gmail.com, sagarsoodsanjay@gmail.com, Blog - sagarsood.blogspot.com



## माँ

### माँ

कविता दी लम्बी परिभाषा, कहें कहें थो,  
मैं नू कविता ही जाये, जद कोई आखे माँ।  
गोली जिधरों मजी चल्ले, सीना चीरगी,  
चाहे ऐधर चाहे ओधर, रोयेगी ते माँ।  
सिस्टम तों तंग बन जावन, पुत कई अत्तवादी,  
अत्तवादी ना कोई जनदी, पुत जनदी ऐ माँ।  
वारिस वेखो वारिस खातिर, कुकड़ो मारे धी,  
कुकड़ो अंदर धी नही लोका, काल हुदी ऐ माँ।  
माँ नू बस माँ कहन लई हुपी ऐ माँ बोली,  
माँ बोली जे मुल्लोगे ता मुल्ल जायेगे माँ।  
कहन सयाने लोकी माँवां टपडीयो छावीं,  
वड्डके रुकखां नू लमोगे किधरों छो ते माँ।

✧ अमरजीत सिंह बड़ैच (पटियाला)

094178-01988

\*\*\*

### माँ

तेरे गुणों के अखूट भण्डार से माँ,  
पहनाती नित नया शृंगार।  
सत्य, अहिंसा, प्रेम त्याग से,  
संसारती आदिष्ठा टभार।।  
रात पथ के राह बलकर,  
सबको सिखाती मान-सम्मान।  
प्रत्येक जीव में प्रभु का वास,  
नहीं करते किसी का अपमान।।  
तमस - सा जीवन में आती।  
लौ की ज्योति बन के तू,  
संघर्षों में हिम्मत भरती।  
वज्र सी दृढ़ता तन मनके तू।।  
शिक्षा-दीक्षा से करती आत्म निर्भर,  
अनन्त ज्ञान से दिखाती संसार।  
दीन-दुखियों का तू करुणा का सागर,  
परोपकार से बढ़ाती है निखार।।  
सूरज - सी रोशनी जीवन में लाती,  
निस्वार्थ हमे कर्तव्य सिखाती।  
जीवन की अनमोल निधि प्रकृति।  
रक्षा करना है हमारी संस्कृति।।

छिनती जीवन-मूल्यों के मोती,  
सिंचती स्नेह-प्रेम की मालती।  
जलाती दिव्य-प्रेम की ज्योति,  
मंगल कामना तू बरसाती।  
ममत्व का महासागर,  
वात्सल्य का वैभव।  
तू प्रेम की पीयूष धार,  
कामना करते स्वर्ग के देव।।  
माँ के चरणों में त्रिभुवन,  
देवी - देवता करते नमन।  
माँ तू सत्यं शिवम् सुन्दरम्,  
हम करते कोटी कोटी प्रणाम।।  
✧ डॉ. भावना एन. सावलिया (धोराजी)

098796-50974

\*\*\*

### माँ

माँ / सिर्फ माँ है  
पूर्ण और पर्याप्त  
किसी से कोई तुलना नहीं।

\*\*\*\*\*

माँ  
तुम हो  
तो सब है  
लोक परलोक  
पाप पुण्य  
मोह माया  
प्राणी परगात्मा  
मैं, हम, सब  
सुख-दुख  
रोग दोष  
तुम नहीं हो तो कुछ नहीं।

\*\*\*\*\*

माँ  
तुम्हें कोई नहीं समझ सकता पूरा  
पर  
तुम सिर्फ तुम ही  
समझ सकती हो मुझे पूरा।

✧ ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह 'रवि' (सुलतानपुर)

073796-24855

\*\*\*



# नारायणीयम्

भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं कला का समग्र हिन्दी त्रैमासिक

वर्ष : ७ अंक : १ मूल्य : बीस रुपये पौष-माघ-फाल्गुन, वि०स०-२०६७ (युगाब्द : ५११२) जनवरी-फरवरी-मार्च, २०११





# नारायणीयम्

भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं कला का समग्र हिन्दी त्रैमासिक

वर्ष : ७ अंक : १ मूल्य : बीस रुपये पौष-माघ-फाल्गुन, वि०सं० : २०६७ (युगाब्द : ५११२) जनवरी-फरवरी-मार्च, २०११

नारायणं तमस्कृत्य

तरं चैव तरोत्तमम् ।

देवीं सरस्वतीं व्यासं

ततो जयमुद्धीरयेत् ॥

नारायणीयम् परिवार

सम्पादक	: उमेश सिंह
प्रबन्ध सम्पादक	: रमेश कुमार
संयुक्त सम्पादक	: रवि प्रकाश टेकचंदाणी
कार्यकारी सम्पादक	: दिनेश प्रताप सिंह
वरिष्ठ उप-सम्पादक	: ऋषि कुमार मिश्र
सह-सम्पादक	: शीला डोगरे
वितरण व्यवस्थापक	: शैलेन्द्र प्रसाद सिंह
शोधपत्र-शोधक	: रामदास अग्रवाल
पता	: ४०१, 'नर्मदा' विजय बाग, मुरबाड रोड, कल्याण (प.) उपे-४२१३०१ (महा.)
अणु डाक (ई-मेल)	: narayaneeyamh@yahoo.co.in
चलित वार्ता	: ०९८६९२४०५७२
सम्पादन-प्रकाशन	: अर्धैतनिक-अव्यवसायिक
अक्षर संयोजक	: श्वेता जॉब्स ६८, (श्रीराम मार्केट) बहादुरगंज, इलाहाबाद-२११००३ (उ.प्र.)
मुद्रण स्थल	: आस्था एसोसिएट्स २२, टयानन्द मार्ग, इलाहाबाद-२११००२ (उ.प्र.)

परिवार में प्रकाशित रागणी लेखकों के निजी विचार हैं। सम्पादक, प्रकाशक तथा पठक इससे उत्तम हो, यह आवश्यक नहीं है। हम किसी प्रकार का विवाद नहीं चाहते। फिर भी यदि इससे निस्तारण होने व्यवस्था के अभाव में हो।

अथ	५
होली खेलूं संग श्याम (आवरण लेख)	
-ऋषि कुमार मिश्र	८
बचपन के रंग	
-पं. सुदामा शर्मा	९
फागुन लिखे कपोल पर रस से भीगे छंद	
(आवरण लेख)	
-सुरेश चन्द्र शर्मा	१०
नंद कुंवर खेलत राधा संग जमुना-पुलिन सरस रंग	
होरी...! (आवरण लेख)	
-विभा प्रकाश श्रीवास्तव	१२
श्रीकृष्ण : ब्रज के लोक गीतों के परिप्रेक्ष्य में	
(आलेख)	
-डा. हर्ष नन्दिनी भाटिया	१४
आजमगढ़ : सूफियाना अतीत दहकता वर्तमान	
(आलेख)	
-डा. उदय प्रताप सिंह	१७
मुआवजा (कहानी)	
-मृदुला सिन्हा	१९
मां का मर्म, लड़के वाले (लघु कथाएं)	
-आकांक्षा यादव	२२
फक्कड़, प्रवृत्ति (लघु कथाएं)-सुधा गुप्ता 'अमृता'	२३
अलाव (लघु कथा)	
-डा. रामशंकर चंचल	२३
होली के सप्तरंगे नुस्खे (उवाच)	
-चक्रधर	२४
रामकथा में यश के पात्र	
-डा. एम.एल. खरे	२५
आंसू और प्याज	
-डा. एम. एल. खरे	२६
किसके लिए रुका है रे मन!	
-डा. देवेन्द्र आर्य	२७
बसन्त पंचमी (संस्कृति)	
-पं. राम प्रताप त्रिपाठी	२८
बच्चों में श्रीभगवद्धक्ति के संस्कार (संस्कार)	
-आचार्य श्री कृपाशंकर जी महाराज	३०
हस्तक्षेप का हौसला... (प्रेरक प्रसंग)	
-राकेश राय	३२
महंगाई से सब हलाकान	
-जगदीश 'गुप्त'	३५
कबीन्द्र रवीन्द्र का चन महोत्सव (उत्सव)	
-घनश्याम सक्सेना	३६
पुराण वर्णित भगवान के दस अवतार (अध्यात्म)	
-डा. विद्याभूषण द्विवेदी	३७
अब याद आता है तेरा सिरकना!	
-हरमन चौहान	४२
स्वर-भास्वर पींडित भीमसेन जोशी (व्यक्ति दर्शन)	
-आलोक गोस्वामी	४३
मासूम कली	
-डा. भावना सावर्लिया	४४
मैथिल कोकिल विद्यापति (व्यक्ति दर्शन)	
-डा. संजु मिश्रा	४५
वसंत का चैभव	
-कमला शंकर पाण्डेय 'व्यास'	४५
पत्रकारिता के युग निर्माता : राजेन्द्र माधुर	
(पुस्तक समीक्षा)	
-भगवतीधर बाजपेयी	४६
नारी के दीर्घत्व का अधिक न हो उपहास	
-डा. दयाकृष्ण विजयवर्गीय 'विजय'	४७
स्थायी स्तम्भ : सुधापित, ज्ञान प्रवाह, पाठक मन,	
साहित्य, संस्कृति, कला-प्रवाह।	



तानसेन सम्मान और २००८ में भारत रत्न सम्मान से सम्मानित पंडित जी के जीवन पर अनेक वृत्तचित्र बने और पुरस्कृत किए गए। अपने गुरु की स्मृति में उनकी के द्वारा आरम्भ किए सवाई गंधर्व संगीत उत्सव में सन् २००७ में लोगों के आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब पंडित जी अस्वस्थ होते हुए भी पहिए की कुर्सी पर बैठ खुद स्वरजाति देने पहुंचे। कौन जानता था वह उनके जीवन का आखिरी सार्वजनिक गायन होगा।

२४ जनवरी, २०११ की शाम पुणे के 'वैकुण्ठ' दाह गृह में उनके अन्तिम संस्कार के समय हजारों की संख्या में संगीत प्रेमी और उनके अनन्य भक्त सजल आंखों के साथ उन्हें अन्तिम विदा देने पहुंचे। अन्तिम यात्रा के दौरान मार्ग में उनके गाये भजन गूंज रहे थे। संस्कार स्थल पर रा. स्व. संघ के निवर्तमान सरसंघचालक

श्री कुप्. सी. सुदर्शन, महाराष्ट्र और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सहित अनेक विशिष्टजन उपस्थित थे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने तो वहीं पंडित जी की स्मृति में उनके गृहनगर धारवाड़ (कर्नाटक) में १० करोड़ रुपये की लागत से उनकी विरासत को संजोने के लिए एक स्मारक बनाने की घोषणा की। संस्कार स्थल पर उनका राष्ट्रीय एकता को समर्पित गीत 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' मद्धम आवाज में बज रहा था और जहां उपस्थित प्रत्येक संगीत प्रेमी के हृदय में पंडित जी का भावमय चेहरा अंकित था।

-आलोक गोस्वामी  
(पांचजन्य से साधार)

## मासूम कली

ग्यारह साल की मासूम कली, आंगन को बनाती चमन। "लीजिए दीदी, खीरा खाईए, लाई हूं मैं आपके लिए"।  
मजदूर कन्या कितनी भोली, सबको करती थी नमन। "नहीं बेटा! तुम खाइए, ये तो है तेरे लिए"।  
किस्मत रूठी, माता प्रभु को प्यारी हुई। "हम तो रोज खाते हैं, आज आप खाईए"।  
मासूम पुष्य जन्म के साथ मातृहीन हुई। शारदा के स्नेह ने भिंगो दिया, दीदी की आंख भर आई।  
जीवन-संघर्ष का शृंगार करके, खिल उठी गुलाब-सी कली। वह स्व की चिन्ता न करती थी, दूसरों के लिए जीती थी।  
जहां जाती थी वहां सबकी बन जाती थी वह बेली। छोटे-छोटे हाथों से बच्चों के लिए रसोई पकाती थी।  
ले रखी थी जिम्मेदारी उसने अपने छोटे-छोटे कंधों पर। बरतन मांज के चमकाती थी, आंगन को बुहारती थी।  
नजदीकी जीजी और जीजा कर सेवा करती थी भरपूर। गंगा-सी पवित्र आत्मा, उस मन्दिर-सा घर में विहार करती थी।  
छोटे-छोटे दोनों बच्चों को करती अधिक हुलार। प्रेम-भाव से स्वागत करना उसका सहज स्वभाव था।  
खिलाती, पिलाती थी, करती सब कुछ निष्ठावर। मधुर मुस्कान से दुख हरना, उसका परम कर्तव्य था।  
वृक्ष-तले छांव में बांध रखा था सुन्दर एक झूलग। छोटी-सी कली प्रतीक्षा करती अपने पिता तुल्य किसान की।  
मधुर कंठ गाते लोरी, कोमल उंगलियां झुलाती थीं झूला। बन गयी थी वह अधिकारी पितृ वात्सल्य भावना की।  
जीजी के दोनों बच्चों पर हमेशा अमृत बरसाती थी। रोज खाने को फल लाते थे, नयी स्फूर्ति पाते थे।  
हाथ-मुंह प्रेम से धोती थी, उनके बाल संवारती-थी। मानो उसकी बेटा हो, ऐसा भाव महसूस करते थे।  
अपना पराया कुछ नहीं था उदात्त त्याग था सबके लिए। नाचने झूमने लगती थी, बिलकुल न शरमाती थी।  
स्वयं खीरा न खाती थी, रखती थी किसान की बेटा के लिए। ऐसी मासूम, निर्दोष, उदात्त छोटी-सी मजदूर कली थी।

डा. भावना सावलिया, शिवांगी अपार्टमेंट, ब्लॉक नं. बी-३०४, चतुवाडी, स्वाति चौक के पीछे, धोराजी (मुंबरात)-३६०४१०



विश्वमंगलम् केलवणी मंडल, विद्यानगरी, हिंमतनगर संयासित

महिला आर्ट्स डोलेज, विद्यानगरी, हिंमतनगर अने

गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर ना संयुक्त उपक्रमे आयोजित



NAAC With B+ Grade

नेशनल सेमिनार

**भारतीय नाट्यसाहित्य**

**प्रमाणपत्र**

श्री/श्रीमती/डु. डा. लावना अने. लावलिया (आर्ट्स डोलेज, मोडासा)

अे महिला आर्ट्स डोलेज, विद्यानगरी, हिंमतनगर अने गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर ना संयुक्त उपक्रमे

आयोजित अेक टिवसीय नेशनल सेमिनार **भारतीय नाट्यसाहित्य** मां उपस्थित रही

**'आधी-अधुरे नाटक मे' धक्त मध्यवर्गीय विसंगति'** विषय पर वक्तव्य

आप्युं हतुं/ शोधपत्र रचुं क्युं हतुं/ सहलागी चर्यक तरीके हाजर रही सक्रीय पाडो भाग लीधो अे. तेमनी साहित्य अने अथ्यापन परत्वेनी आती रुचिने अलिनंटी आ प्रमाडपत्र अर्पडु डरतां गौरव अनुभववीअे छीअे.

स्थण : हिंमतनगर

ता. १८/०१/२०१६

डा. अणयसिंह चौडारा  
मडामन  
गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर

डा. अ. अ. पटेल  
सेमिनार संयोजक

डा. के. अ. पटेल  
प्रिन्सीपाल  
महिला आर्ट्स डोलेज, हिंमतनगर

विश्वमंगल केणवणी मंडण, विधानगरी हिंमतनगर  
संयालित

महिला आर्ट्स कोलेज - विधानगरी हिंमतनगर  
अने

गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगरना संयुक्त ङिपडमे  
आयोजित

नेशनल सेमिनार

भारतीय नाट्य साहित्य

ता. १८ नान्युआरी २०१८

: प्रपत्र का विषय :

‘आधे-अधूरे नाटक में व्यक्त मध्यवर्गीय विसंगति’

: प्रस्तुत कर्ता :

प्रा. डॉ. भावना एन. सावलिया

श्री एस. के. शाह & श्रीकृष्ण ओ. एम.

आर्ट्स कॉलेज, मोडासा

मो. नं. - 88498 42456



## ‘आधे-अधूरे नाटक में व्यक्त मध्यवर्गीय विसंगति’

- डॉ. भावना एन. सावल्या

साहित्य व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व के विविध आयामों की खुली किताब है। जिसमें मनुष्य को सुख-दुःख, आशा-निराशा, विभिन्न ऐंष्णाएँ एवं विभिन्न अनुभूतियों के साथ उसके आसपास के परिवेश की चित्रण भी होता है। साहित्य का मूल उद्देश्य ही यही होता है कि युगीन परिस्थितियों का परिचय करवाना और मूल समस्याओं का निदान करके उसे दूर करना।

शाश्वत अविच्छिन्न तथा अबोध गति से प्रभावित होनेवाला काल जब विशिष्ट सीमा से अवरुद्ध हो जाता है तो उसे युग कहा जाता है। काल को समयरूपी वृत्ति की परिधि कहा जा सकता है और युग को उसका एक चाप। किसी भी युग के निर्धारण में जीवन, इतिहास और कला-परिचायक तत्व होते हैं। युग की अपनी साधन सम्पन्नता और कला सम्बन्धी रुची होती है। युग परिवर्तन में काल सापेक्ष जीवन-मूल्यों अपनी महत्ता खो बैठते हैं और काल निरपेक्ष जीवन मूल्य आगत नए जीवन मूल्यों की विरासत बनते हैं। प्रत्येक युग दूसरे युग को विचारों एवं संस्कारों की पूंजीभूत राशि देकर जाता है, अन्यथा यह सृष्टि अस्तित्वहीन होकर कभी की शून्य में विल्लीन हो जाती।

आधुनिक नाट्य साहित्य को नयी दिशा की ओर ले जानेवाले मोहन राकेश का जन्म ८ जनवरी १९२५ ई. को पंजाब के अमृतसर शहर में हुआ था। इनके पिताश्री करमचन्द गुगलानी अधिवक्ता होते हुए भी साहित्य और संगीत के प्रेमी थे, जिनका प्रभाव मोहन राकेश के जीवन पर पड़ा। वे सन् १९६३ से १९७२ ई. तक निरंतर स्वतंत्र लेखन करते रहे जो उनकी आजीविका का आधार भी रहे।

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक की नयी दिशा को प्राण देनेवाले प्रतिभा सम्पन्न नाटककार मोहन राकेश ने सिर्फ नाटक ही नहीं लिखे। उन्होंने निबन्ध, एकांकी, उपन्यास, कहानी, यात्रावृत्त, डायरी, जीवनी संकलन आदि विधा में अपनी कलम चलायी है और हिन्दी साहित्य जगत को समृद्ध किया है। ३ जनवरी १९७२ में नयी दिल्ली में इस हिन्दी के नक्षत्र का निधन हुआ।

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी के समकालीन नाटकों में मोहन राकेश का नाटक ‘आधे-अधूरे’ सातवे दशक का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण नाटक रहा है। ‘आधे अधूरे’ नाटक का प्रकाशन १९६९ में हुआ था। इसमें मोहन राकेश ने समकालीन जीवन की यथार्थ संवेदनाओं को सूक्ष्मताओं के साथ प्रस्तुत किया है। कथानक, संवाद और चरित्र - सब में अधूरापन लेकर चलनेवाला यह नाटक राकेश के पूर्ववर्ती दोनों नाटकों से बिलकुल भिन्न है। वर्तमान को अतीत के माध्यम से मुखरित करने का मोह छोड़कर नाटककार ने वर्तमान से सीधा साक्षात्कार किया है। स्वतंत्रता के पश्चात मध्यवर्ग में आर्थिक विषमताओं ने क्रमशः पारिवारिक बिखराव, मानसिक तनाव और नैतिक पतन को बढ़ावा दिया है। नाटककार राकेश ने इस नाटक में आज की संक्रासपूर्ण परिस्थितियों की कटू

सम्भावनाओं का संकेत किया है। मध्यवर्गीय जीवन में आनेवाली शूद्र और विनाशकारी रिक्तता को व्यक्त करनेवाला यह नाटक मनुष्य के खोखलेपन, सम्बन्धों के मतहीपन तथा जीवन-आदर्शों के लडखड़ाते मानदण्डों को सजीव रूप से प्रस्तुत करता है। आर्थिक विषमताने किस प्रकार आज के दाम्पत्य जीवन और पारिवारिक परिवेश में विषैला वातावरण बना दिया है, घोर मानसिक वन्त्रणा से संतुष्ट मध्य वर्गीय स्त्री-पुरुष के जीवन के वास्तविक अर्थ की खोज का भटकाव इन सबको नाटक यथार्थवादी शैली में उद्घाटित करता है। स्त्री-पुरुष के लगाव और तनाव तथा पारिवारिक विसंगति की यह गाथा अपने में अधूरे मनुष्य की काल्पनिक पूर्णता की खोज की महत्वाकांक्षा की यातना को उजागर करती है।

स्थूल रूप से इस नाटक में कोई कथावस्तु नहीं है। विषम परिस्थितियों में उलझे पात्रों की मनःस्थिति की टकराहट, अन्तर्द्वन्द्व, आक्रोश और कुंठाएँ यहाँ सामयिक जीवन की विसंगति को उजागर की गई है। 'आधे अधूरे' नाटक में मध्यवर्गीय परिवार की विसंगति को गति दी गई है। जिसमें पाँच सदस्यों के इस परिवार में आर्थिक कठिनाइयों ने पारिवारिक प्रेम को शोष लिया है, जिससे घर का वातावरण एक दमघोंट मनहूसियत से भर गया है। सभी इस दमघोंट वातावरण से मुक्त होना चाहते हैं, पर नियति ने जैसे उन्हें पंगु बना दिये हैं। 'आधे-अधूरे' नाटक की धूरी आर्थिक आयाम है। अभाव, अपूर्णता, कमियाँ, घूटन, टूटन, बोज, अलगाव, संत्रास आदि संबंध 'अर्थ' से है। प्रस्तुत नाटक मध्य-वित्तीय स्तर से ढहकर निम्न-मध्य-वित्तीय स्तर पर आया एक घर है। जिसका पता हमको रंगमंचीय साधन-सामग्री से चल जाता है। जैसे कि - 'आधे-अधूरे' का कार्यस्थल मकान का बैठने का कमरा है, जिसमें सोफे, कुर्सियाँ, मेजें, अलमारी, किताबें, फाइलें, आदि हैं। यह कमरा एक समय साफ-सुथरा रहा होगा, पर सालोंकी आर्थिक कठिनाइयों के कारण अब सब पर धूल की तह जम गई है। क्राँकरी पर चटखन है। दीवारें मटमैली हो गई हैं। परिवार का हर सदस्य एक-दूसरे से कटा हुआ है। घर की हवा तक में उस स्थायी तलाखी (कटुता) की गन्ध है, जो पाँचों व्यक्तियों के मन में भरी हुई है - अब, घुटन, आक्रोश, विद्रुप-दम घोंटनेवाली मनहूसियत, जो मरघट में होती है। इस तनावयुक्त और विसंगति से भरा हुआ वातावरण हमको बॉक्स सेट पर साफ-साफ दिखाई देता है।

आधे-अधूरे नाटक एक स्तर पर स्त्री-पुरुष के बीच के लगाव और तनाव का दस्तावेज है। महेन्द्रनाथ सावित्री से बहुत प्रेम करता है, सावित्री भी उसे चाहती रही होगी, लेकिन ब्याह के बाद महेन्द्रनाथ को बहुत निकट से जानने पर उससे वितृष्णा होने लगी, क्योंकि सावित्री की अपेक्षाएँ बहुमुखी और अनंत है। अब महेन्द्रनाथ की बेकारी की हालात से सावित्री का व्यवहार कटु हो गया है। एक ओर घर चलाने का असाध्य बोझ है तो दूसरी ओर जिन्दगी से कुछ भी हासिल न कर पाने की तीखी कचोट। अपने बच्चों के वर्ताव से अत्यंत तिक्त और पति के बौने चरित्र से उन्नी हुई सावित्री बची-खुची जिन्दगी को ही एक पूरे, संपूर्ण पुरुष के साथ बिताने की आकांक्षा रखती है, पर यह आकांक्षा पूरी नहीं हो पाती, क्योंकि संपूर्णता की तलाश ही शायद वाजिब नहीं।

सावित्री के अभावपूर्ण मनोवशा का चित्रण जुनेजा के संवाद में व्यक्त हुआ है - जैसे "क्योंकि तुम्हारे लिए जीने का मतलब रहा है - कितना कुछ एक साथ टोकर, कितना कुछ एक साथ पाकर और कितना कुछ एक साथ ओढ़कर जीना। वह उतना-कुछ कभी तुम्हें किसी एक जगह न मिल पाता, इसलिए जिस किले के साथ भी जिन्दगी शुरू करती, तुम हमेशा इतनी ही खाली, इतनी ही बेचैन बनी रहती। वह आदमी भी इसी तरह तुम्हें अपने आसपास सिर पटकता और कपड़े फाड़ता नजर आता और तुम..."<sup>१</sup> यहाँ पर सावित्री की जिन्दगी में खालीपन और कड़ुवाहट उसका विवाह बन्धन के कारण नहीं, पर वह एक प्रवृत्ति है जो वर्तमान परिस्थितियों से सन्तुष्ट न रहकर बार-बार उसे दूर रहने के लिए प्रेरित करती रहती है। यही कारण है कि सावित्री की जिन्दगी में जो-जो आये वे अभाव को पूरा करने में असमर्थ रहे। बाद में वह स्वयं स्वीकार करती है कि "मैंने आपसे कहा है न, बस! सब-के-सब... सब-के-सब! एक से! बिल्कुल एक से है आपलोग! अलग-अलग मुछौटे, पर चेहरा! - चेहरा सबका एक ही?"<sup>२</sup> यह बात वह जुनेजा के सामने प्रकट करती है।

सावित्री अपने अधूरेपन का कारण अपने पति महेन्द्रनाथ में खोजती है, जो अपनी दृष्टि में संपूर्ण रूप से अपना नहीं है। जो दूसरों के खाली खजाने भरने की चीज है। उसकी यह हालत करने में उसके मित्रों का पूरा हाथ है। महेन्द्रनाथ भी एक आदमी है, जिसको अपना घर-बार है, पत्नी है, यह बात महेन्द्रनाथ को अपने कहनेवालों को बिल्कुल रास नहीं आयी। सावित्री ने अपने आपको झटक लेने। (महेन्द्रनाथ से) भी यह कारण बताया है। वह महेन्द्र को पूर्णतः अपना बनाने की कोशिश भी करती है। महेन्द्र के दोस्तों की यह उक्तियाँ - "सावित्री महेन्द्र के नाक में नकेल डालकर उसे अपने ढँग से चला रही है। सावित्री बचकर महेन्द्र की रीढ़ तोड़कर उसे किसी लायक नहीं रहने दे रही है।" उसे बराबर सुननी पड़ती है। इसी बात से यह बात खत्म न होकर इससे भी भयानक बात यह है कि - "और वही महेन्द्र जो दोस्तों के बीच दबू सा बना हल्के मुस्कराता है, घर आकर एक दरिदा बन जाता है। पता नहीं कब किसे सोच लेगा, कब किसे फाड़ खायेगा। आज वह ताव में अपनी कमीज को आग लगा लेता है। कल वह सावित्री की छाती पर बैठकर उनका सिर जमीन पर रगड़ने लगता है। इस प्रकार के दृश्यों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। वे यही सोचते हैं कि बहुत पहले ही इन लोगों को अलग हो जाना चाहिए था। इतने पर थी जब जुनाजा (चौथा आदमी) बिन्नी को बताता है कि महेन्द्र सावित्री से बहुत प्यार करता है तब बिन्नी फूट पड़ती है कि - आप नहीं जानते, हमने इन दोनों के बीच क्या-क्या गुजरते देखा है इस घर में।" और वह आगे कहती है कि - "इतने साधारण ढँग से उडा देने की बात नहीं है, अंकल! मैं यहाँ थी, तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिडियाघर के एक पिंजरे में रहती हूँ जहाँ आप शायद सोच भी नहीं सकते कि क्या-क्या होता रहा है यहाँ। डैडी का चिखते हुए ममा के कपड़े तार-तार कर देना... उनके मूँह पर पट्टी बाँधकर उन्हें बन्द कमरे में पीटना... खींचते हुए गुसलखाने में कमोड पर ले जाकर... (सिहरकर) मैं तो बयान भी नहीं कर सकती कि कितने-कितने भयानक दृश्य देखे हैं



इस घर में मैं। कोई भी याद का आदमी उस रातका देखा जाना, तो बड़ी बहल कि क्यों नहीं बहुत पहले ही वे लोग... ?”

बिन्नी को बातों से जाना जा सकता है कि इन सारी परिस्थितियों के लिए विमोहक महेंद्रनाथ ही है। यदि यह सत्य है तो क्या वह सत्य नहीं है कि आज महेंद्रनाथ जो है तो सावित्रीकी वजह से है। आज से २२ वर्ष पूर्व वह ऐसा नहीं था, क्योंकि तब उस पर यह साबित करनेवाला कोई नहीं था कि कैसे हा लिहाज से वह लीन और छोटा है - उनसे, उससे, मुझसे, तुमसे, सभी से! पर सावित्री को उन दिनों भी महेंद्रनाथ से प्रियतायत थी। उसे तब भी ऐसा आदमी नहीं समझती थी जिसके साथ वह जिन्दगी बचट सकती। लेकिन विक्रमता यह है कि फिर भी वह महेंद्र को छोड़ती नहीं है। यद्यपि अपने को झटक लेने की कोशिश यह बगवत करती है, पर उसे सफलता नहीं मिलती। इस स्थिति में वह अपने को बेसहारा नहीं छोड़ना चाहती। बुनेबा के शब्दों में - सावित्री चाहती है कि जिन्दगी में यह कुछ शामिल न हो तो कम-से-कम यह नामुदाद मोहरा तो बना रहे।

इत बाल से स्पष्ट होता है कि महेंद्र और सावित्री दोनों एक दूरे से अस्तित्व है। दोनों एक दूसरे को अपनी और परिवार की वैचैनी और अशांति एवं तनाव का कारण है। बच्चे भी जानते हैं कि अपने ममा-डेडी के मन मुटाव का कारण क्या है? दोनों में प्यार का अभाव है।

अशोक इन्किंस साल का सावित्री और महेंद्रनाथ का बेटा है। उसे सावित्री के बातों से और उसके अन्य लोगों के व्यवहार से आक्रोश है। उसे सावित्री को अन्य लोगों के साथ बाहार जाना भी अच्छा नहीं लगता। घर पर पराये व्यक्तियों को आना और बुलाना भी अच्छा नहीं लगता। अशोक बेकार युवक है। सावित्री अशोक की नौकरी की सिफारिश करने के लिए अपना बोस सिपानिया के घर पर बुलाती है तब वह अपनी माँ के प्रति नाराज होकर कहता है कि - “जिनके आने से हम जितने छोटे है उससे और छोटे हो जाते हैं अपनी नजर में।” वह उससे कहता है कि आज तक जिस किसी को बुलाया है उसीक वजह यह है कि - “उसकी किसी बड़ी चीज की वजह से। एक को कि यह ईटलेक्युअल बहुत बड़ी है। दूसरे को कि उसकी तनख्वाह पाँच हजार है। तीसरे को कि उसकी गछती पीफ कमिश्नर की है। जब भी बुलाया है, आदमी को नहीं - उसकी तनख्वाह को, नाम को, फतवे को बुलाया है।”

बिन्नी और मनोज का दाम्पत्य जीवन भी विसंगति से भरा हुआ है। बिन्नी अपनी माजी से मनोज के साथ भाग जाती है। वो भी एक-दूसरे को चोट पहुँचाते रहते हैं - बड़ी लडकी बिन्नी सावित्री से कहती है कि - “जिससे उसके मनको कड़ी-से-कड़ी चोट पहुँचा सकूँ। उसे मेरे लम्बे बाल अच्छे लगते हैं। इसलिए सोचती हूँ, उन्हें बाकर कटा आऊँ। वह मेरे नौकरी करने हक में नहीं है। इसलिए चाहती हूँ, कहीं भी कोई भी छोटी-मोटी नौकरी ढूँढकर कर लूँ। कुछ भी ऐसी बात जिससे एक बार तो वह अन्दर से तिलमिला उठे। पर कर मैं कुछ भी नहीं पाती...।” और वह आगे कहती है कि - “मेरा अपना घर!... और मैं आती हूँ

कि एक बार फिर खोजने की आवश्यकता बन देगी कि क्या चीज है वह इस घर में जिसे लेकर बार-बार पुनः लेना पड़ता है। (लगातार टूटते स्वर में) तब क्या सकती हो ममा, कि क्या चीज है वह? और कहाँ है वह? इस घर के छिड़कियों - दरवाजों में! उन में! दीवारों में? ताल में? डेढ़ी में? किन्नी में? अशोक में? कहाँ छिपी है वह मनदूस चीज जो वह कहता है मैं इस घर से अपने अंतर लेकर गई हूँ? क्या भी ममा क्या है वह चीज? कहाँ पर है वह इस घर में?''>

घर के इस वातावरण का निरूपण करती हुई किन्नी कहती है कि यह इस प्रकार की हवा है कि उसमें एक घुटन है। असंतोष और अविश्वास की भावना के कारण यह हवा विषाल हो उठी है और लगता है कि इस दूषित हवा में कई वरस तक रहने के कारण किन्नी का मन भी अस्वस्थ हो गया है। इस प्रकार के वातावरण में रहने के कारण किन्नी और अशोक का व्यक्तित्व भी किन्नी से भिन्न नहीं है। सावित्री और महेन्द्र अपने बच्चों के परिवार की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं है। एक-दूसरे पर आशंका और संदेह तथा एक-दूसरे को ही प्रत्येक की बरबादी का कारण मानने की चेष्टा दिखाई देती है। अशोक के चरित्र के संबंध में ताना पारती हुई सावित्री महेन्द्रनाथ को कहती है कि - 'तबह बात पता तूम्हें होगी या तूम्हारे लडके को। वह भी तीन-तीन दिन दिखाई नहीं देता घर पर। तब महेन्द्र भी कहता है कि "और लडकी तुम्हारी?" उसने अपनी जिन्दगी ख़्वाब (बेहज़ूत) करने की सीख किससे ली है। मैंने तो कभी किसी के साथ घर से भागने की बात नहीं सोची थी? यहाँ पर संकेत स्पष्ट है कि महेन्द्रनाथ की दृष्टि में यह संबंध उचित नहीं है।

अशोक का व्यक्तित्व निकम्मा है, जैसे बंधतलब घूमना, मीगड़ाने से तस्वीरें काटना और ऐसा ही बंधतलब चीजों में दिलचस्पी लेना उसके चरित्र का अंग बन गया है। इसलिए उसके प्रति उसकी छोटी बहन किन्नी को मान नहीं है। वह उसके लिए बहुत ही तुच्छ भाषा में बात करती है - 'शोकी मारा मारा फिरता है सारा दिन, मैं भी फिरती रहा करूंगी।' इस मारे मारे फिरे के साथ कुछ और भी जुड़ा हुआ है। यह बात सावित्री को भी पता है। लेकिन वह इस संबंध के बारे में जवान नहीं खोलती, क्योंकि वह चीज परिवार के सभी सदस्यों के साथ किसी-न-किसी रूप में जुड़ी हुई है। पर जब बात सीमा से बढ जाती है तब सावित्री कहती है कि - दिलचस्पी तेरी सिर्फ तीन चीजों में है - दिन भर ऊँघने में, तस्वीरें काटने में, और घर की वह चीज, वह चीज ले जाकर....। और वही बात छोटी लडकी पूरी करती हुई कहती है कि - 'कभी मेरी बर्ध डे प्रेज़न्ट की चुडियाँ दे आता है उसे, कभी मेरा प्राइज़ का काउन्टनपेन।' किन्नी भी इस भावना से मुक्त नहीं है। वह अपनी सहेली सुरेखा से अपने मम्मी-डैडी के सम्बन्ध में जो कुछ बातें करती है और उसे सुनकर अशोक का गुस्सा बढ जाता है। प्रस्तुत नाटक में सभी पात्रों किसी-न-किसी क्षतियाँ एवं अपूरण से जूड़े हुए हैं। बच्चों में विद्रोह, आक्रोश एवं विरोध की प्रवृत्ति अधिक है। महेन्द्रनाथ और सावित्री इतने उलझे हुए हैं कि वे बच्चों के प्रति कोई ध्यान नहीं दे पाते हैं।

इस प्रकार आधे-अधूरे नाटक एक मध्यवर्गीय परिवार के आर्थिक विषमता से ग्रस्त वातावरण का यथार्थ

विषय प्रस्तुत करता है। जिसमें अपनी पर विश्वास नहीं किया जाता या दूसरों को अपनी से बेहतर मानकर उनकी पूजा, प्रशिक्षण, आदर, सम्मान बहुत कुछ किया जाता है। पर इसमें हीनता का भाव मन में जागता है और वह व्यक्तित्व को कभी उभरने नहीं देता। जिससे विन्द्या भीतरलव हो जाती है। सर्वत्र ही तनाव, घुटन और विश्वास लक्षित होता है। परिवार के प्रत्येक सदस्य कलहपूर्ण, घुटनपूर्ण वातावरण से मुक्त होने के लिए छटपटाता है, पर विश्वास रह जाता है। पत्नी के व्यक्तित्व चित्रण में लेखक ने उनके सर्गमन्त्र संवाह का संकेत किया है। पुरुष एक विन्द्या से लड़ाई लड़कर छटपटाहट लिये है, बड़ी लड़की के भाव में सर्गमन्त्र का अवसाद और व्यक्तित्व में विश्वास है, छोटी लड़की के भाव, स्वयं और चाल में निरोह है, लड़के की हीनी तक में कड़वाहट है, सावित्री की कमाई पर पलना हुआ मोहोदराह अह का केवल एक ठप्पा, एक खंड का टुकड़ा है। सावित्री सर्गमन्त्र पुरुष की आकांक्षा में तनावों से मुक्त रही है। इस प्रकार पूरे परिवार के सदस्यों में किसी-न-किसी प्रकार की विसंगति दृष्टिगोचर होती है।

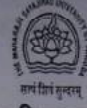
#### \* सहायक ग्रंथ :-

- आधे अपूर् - मोहन राकेश, रामकृष्ण प्रकाश, इलाहाबाद
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक - डॉ. रीताकुमारी श्रुतिका प्रकाशन, नयी दिल्ली
- नाटककार मोहन राकेश - डॉ. सुंदरलाल कथुरिया - कुमार प्रकाशन, नयी दिल्ली
- मोहन राकेश का नाट्य साहित्य - डॉ. पुष्पा खन्ने, मूर्ति प्रकाशन, दिल्ली.

#### \* सन्दर्भ सूची :-

- (१) आधे अपूर् - मोहन राकेश पृ. ९४
- (२) आधे अपूर् - मोहन राकेश पृ. ९७
- (३) आधे अपूर् - मोहन राकेश पृ. ८३/८४ (५)
- (४) आधे अपूर् - मोहन राकेश पृ. ५७
- (५) आधे अपूर् - मोहन राकेश पृ. ५८
- (६) आधे अपूर् - मोहन राकेश पृ. ३५





केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा तथा हिंदी साहित्य अकादमी गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में  
हिंदी विभाग, कला संकाय,

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा आयोजित

# द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक- 1 और 2 फरवरी, 2019

“सोशल मीडिया का बढ़ता साम्राज्य और हम”

## प्रमाण-पत्र



प्रमाणित किया जाता है कि प्रो./डॉ./श्री/श्रीमती/ डॉ. भावना एन सावलिया

प्राध्यापक/ शोध छात्र संस्था आर्ट्स कॉलेज, मोडासा.

ने केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा तथा हिंदी साहित्य अकादमी गांधीनगर तथा हिंदी विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "सोशल मीडिया का बढ़ता साम्राज्य और हम" विषय पर द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ / वक्ता/ श्रोता / प्रतिभागी के रूप में भाग लिया है।

वक्तव्य/ प्रपत्र का विषय : “सोशल मीडिया और हिन्दी”

संयोजक  
डॉ. सुनील कुमार  
केंद्रीय हिंदी संस्थान,  
आहमदाबाद केंद्र

संगोष्ठी संयोजक  
डॉ. कल्पना गवली  
प्रोफेसर, हिंदी विभाग  
म.स. विश्वविद्यालय, बड़ौदा

महामात  
डॉ. अजयसिंह चोत्राणा  
हिंदी साहित्य अकादमी,  
गांधीनगर



વિશ્વમંગલમ્ કેળવણી મંડળ, વિધાનગરી, હિંમતનગર સંચાલિત 18-19



NAAC With B+ Grade

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિધાનગરી, હિંમતનગર અને  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત

નેશનલ સેમિનાર

**ભારતીય નાટ્ય સાહિત્ય**

**પ્રમાણપત્ર**

શ્રી/શ્રીમતી/કુ. પ્રા. ડી. મંજુલાબેને નાથાભાઈ મોલંજી મોડાસ |

એ મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિધાનગરી, હિંમતનગર અને ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે

આયોજિત એક દિવસીય નેશનલ સેમિનાર **ભારતીય નાટ્ય સાહિત્ય** માં ઉપસ્થિત રહી

કાલિદાસ ના નાટકો માં લોકેશુલ્ક

ટિષ્ઠ્ય પર વક્તવ્ય

આપ્યું હતું/ શોધપત્ર રજુ કર્યું હતું/ સહભાગી ચર્ચક તરીકે હાજર રહી સક્રીય પાત્રો ભાગ લીધો છે. તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી રુચિને અભિનંદી આ પ્રમાણપત્ર અર્પણ કરતાં ગૌરવ અનુભવીએ છીએ.

સ્થળ : હિંમતનગર

તા. ૧૮/૦૧/૨૦૧૯

ડૉ. અનંદસિંહ ચૌહાણ  
મહામાન  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

ડૉ. એ.એસ. પટેલ  
સેમિનાર સંયોજક

ડૉ. કે.એલ. પટેલ  
પ્રિન્સીપાલ  
મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, હિંમતનગર



વિશ્વમંગલમ્ કેળવણી મંડળ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર સંચાલિત

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર અને

ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત

નેશનલ સેમિનાર

૨૦૧૮-૨૦૧૯



NAAC With B+ Grade

**ભારતીય નાટ્ય સાહિત્ય**

**પ્રમાણપત્ર**

શ્રી/શ્રીમતી/કુ. પ્રા. ગણપત અમ. ચૌધરી (આર્ટ્સ કોલેજ, મોડાસા)

એ મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર અને ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત એક દિવસીય નેશનલ સેમિનાર **ભારતીય નાટ્ય સાહિત્ય** માં ઉપસ્થિત રહી **'સાપનાભારા' માં સમાવ્યાલન** વિષય પર વક્તવ્ય આપ્યું હતું/ શોધપત્ર રજુ કર્યું હતું/ સહભાગી ચર્ચક તરીકે હાજર રહી સક્રીય પાત્રે ભાગ લીધો છે. તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી રુચિને અભિનંદી આ પ્રમાણપત્ર અર્પણ કરતાં ગૌરવ અનુભવીએ છીએ.

સ્થળ : હિંમતનગર

તા. ૧૮/૦૧/૨૦૧૯

ડૉ. અણ્વસિંહ ચૌધારી  
મહામાત્ર

ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

ડૉ. એ.એસ. પટેલ  
સેમિનાર સંયોજક

ડૉ. કે.એલ. પટેલ  
પ્રિન્સીપાલ

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, હિંમતનગર





International Conference  
on  
Language, Literature & Ram Katha  
**CERTIFICATE**

2018-2019

This is to certify that

Dr. /Mr./Ms. Pro. Ganpatbhai M Chaudhari of

Mahela Arts Collage Modasa

Participated presented a paper titled

रामे सीताने मार्याजो नवलकथा'मां रामकथा

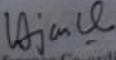
at the International Conference on


“Language, Literature and Ram Katha”

Jointly Orgazied by the

Gujarat Sanskrit Academy, Gandhinagar and Hindu Research Foundation, Himmatnagar.  
on 29th-30th March 2018.

We highly appreciate his/her acive participation in the conference.

  
Conference Co-ordinator  
Dr. Ajaysinh Chauhan

  
Conference Organizer  
Dr. Swami Gaurangsharan Devacharya



International Conference  
on  
Language, Literature & Nationalism

**CERTIFICATE**

2018-2019

This is to certify that  
Dr./Mr./Ms. GANPATBHAI M CHAUDHARI of  
Arts College Modasa

participated and presented a paper titled  
Varliboli and Gujarati Bhasha

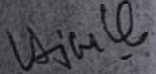
at the International Conference on

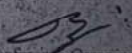
**“Language, Literature and Nationalism”**

jointly organized by the

Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar and Government Arts College, Gandhinagar  
on 24th-25th February 2018.

We highly appreciate his/her active participation in the conference.

  
Conference Co-ordinator  
Dr. Ajaysinh Chauhan  
Registrar,  
Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar

  
Conference Organizer  
Dr. Himmat Bhalodiva  
Principal,  
Government Arts College, Gandhinagar



વિશ્વમંગલમ્ કેળવણી મંડળ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર સંચાલિત

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર અને

સંસ્કૃત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત

એક દિવસીય નેશનલ સેમિનાર

૨૦/૪ ૨૦૧૧



NAAC With B+ Grade

# ઉપનિષદ સાહિત્ય અને તેનું તત્વદર્શન

## પ્રમાણપત્ર

શ્રી/શ્રીમતી/કું. પ્રા. ગાલપતલાલ ચૌધરી (આર્ટ્સ કોલેજ, મોડાસા)

એ મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર અને સંસ્કૃત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે તા. ૦૪ જાન્યુઆરી ૨૦૧૮ ને ગુરુવારના રોજ આયોજિત એકદિવસીય નેશનલ સેમિનાર ઉપનિષદ સાહિત્ય અને તેનું તત્વદર્શન માં ઉપસ્થિત રહી

ઉપનિષદમાં નવ્ય ચિંતન

વિષય પર વક્તવ્ય આપ્યું હતું/ શોધપત્ર રજૂ કર્યું હતું/ સહભાગી

અર્થેક તરીકે હાજર રહી સકીય પાત્રે ભાગ લીધો છે. તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી શ્રદ્ધિને અભિનંદી આ પ્રમાણપત્ર અર્પણ કરતાં ગૌરવ અનુભવીએ છીએ.

ડૉ. અણવસિંહ ચૌહાણ  
અધ્યાપક  
સંસ્કૃત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

ડૉ. અર. જી. જોષી  
સંપાદક  
અભ્યાસ, સંસ્કૃત વિભાગ

ડૉ. કે. એલ. પટેલ  
પ્રિન્સીપાલ  
મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી





# VIJAYNAGAR ARTS COLLEGE, VIJAYNAGAR



**Two Days National Workshop  
"Research : Why and How" (Humanities & Social Science)**

## **CERTIFICATE**

This is to certify that Prof./Dr./Shri/Smt. Patel Rahu Kumar Bhi Khabhai  
Of Shri. S. K. Shah & Shri. Krishna. Am. Arts College, modasa has participated as Chairperson/Chief  
Guest Speaker/ Resource Person in the two days National Workshop on "Research : Why and How"  
(Humanities & Social Science), during 25<sup>th</sup> & 26<sup>th</sup> February, 2017 Organized by Vijaynagar Arts College.

He/She Prepared a research Paper on .....

Indusohit

[Signature]



International Conference  
on  
Language, Literature & Ram Katha  
**CERTIFICATE**

This is to certify that

Dr. /Mr./Ms. **Dr. Ashok M. Patel** of

Shri S.K. Shah & Shri Krishna O.M. Arts Collage, Modasa

Participated presented a paper titled

वाल्मीकि रामयण और तुलसीदास कृत रामचरितमानस में चित्रित "सीता"

at the International Conference on

**"Language, Literature and Ram Katha"**

Jointly Orgazied by the

Gujarat Sanskrit Academy, Gandhinagar and Hindu Research Foundation, Himmatnagar.

on 29th-30th March 2018.

We highly appreciate his/her acive participation in the conference.

Conference Co-ordinator

Dr. Ajaysinh Chauhan

Registrar,

Gujarat Sanskrit Academy, Gandhinagar

Conference Organizer

Dr. Swami Gaurangsharan Devacharya

Director,

Hindu Research Foundation, Himmatnagar

CONFERENCE CERTIFICATE

THIS IS TO CERTIFY THAT THE PAPER TITLED

*Analysis of Michelle  
Obamas Inspiring  
Speech*

AUTHORED/CO AUTHORED BY PROF/DR/MR/MRS/MS

*Patel Rahul Kumar Bhikhabhai*

*DR. SUBHASH BHARAMBHATT*  
CONFERENCE CHAIR  
Prin. H.K. Arts Collage  
Ahmedabad.

*MR. ASHWIN BARASARA*  
CONFERENCE CHAIR  
Prin. M.P. Patel R.Ed & Science Collage  
Jodhpur (Nadi), MORBI.

*Mr. SHASHI SHEKHAR IYER*



**आशा**

*educate | learn | transform*

ASIAN SOCIAL SCIENCES AND HUMANITIES  
ASSOCIATION  
Research & Development Wing.

WAS PRESENTED AT THE  
NATIONAL CONFERENCE  
ON  
SHIFTING PARADIGMS IN HIGHER  
EDUCATION

on 16th & 17th July 2017 at Mount Abu - Rajasthan



વિશ્વમંગલમ્ કેળવણી મંડળ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર સંચાલિત  
મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર અને  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત  
એક દિવસીય નેશનલ સેમિનાર

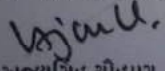


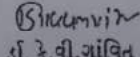
20/2

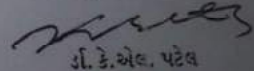
## ભારતીય સાહિત્યમાં ભારતીયતા

### પ્રમાણપત્ર

શ્રી/શ્રીમતી/કુ. પી. ડી. મરીનાલલેન અમી. ચૌહાણ (આર્ટ્સ કોલેજ, મોડાસા)  
એ મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર અને ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે  
તા. ૩૦ જાન્યુઆરી ૨૦૧૮ ને મંગળવાર ના રોજ આયોજિત એક દિવસીય નેશનલ સેમિનાર ભારતીય સાહિત્યમાં  
ભારતીયતા માં ઉપસ્થિત રહી નવલકથા માં ભારતીયતા વિષય પર  
વક્તવ્ય આપ્યું હતું/ શોધપત્ર રજૂ કર્યું હતું/ સહભાગી ચર્ચક તરીકે હાજર રહી સમીચ પાત્રો ભાગ લીધો છે. તેમની  
સાહિત્ય અને અદ્યપન પરત્વેની આવી રુચિને અભિનંદી આ પ્રમાણપત્ર અર્પણ કરતાં ગૌરવ અનુભવીએ છીએ.

  
ડૉ. અનંકુમાર ચૌહાણ  
અધ્યાપક  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

  
ડૉ. કે.વી.ગોપિનથ  
સંયોજક  
અધ્યક્ષ, ગુજરાતી વિભાગ

  
ડૉ. કે.એલ. પટેલ  
વિન્નીપાઠ  
મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી





## International Conference



on

The Journey of Indian Languages: Perspectives on Culture and Society

### Certificate

This is to certify that *Patel, Rahulkumar, Bhikhabhai*

has participated / presented a paper on *"The Impact of Media, Culture In Global Society"*

at the International Conference on The Journey of Indian Languages: Perspectives on Culture and Society jointly organised by Dr. Babasaheb Ambedkar Open University (BAOU), Ahmedabad & Indra Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi held on 14-15 October, 2017 at Dr. Babasaheb Ambedkar Open University, Jyotirmay Parisar, S. G. Highway, Chharodi, Ahmedabad, Gujarat, Bharat.

  
Prof. (Dr.) Jitendra Kumar Srivastava  
Professor & (I/c.) Registrar  
Indira Gandhi National Open University

  
Prof. (Dr.) Ami Upadhyay  
Director & (I/c.) Registrar  
Dr. Babasaheb Ambedkar Open University

૨૦૧૮-૨૦૧૯



વિશ્વમંગલમ્ કેળવણી મંડળ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર સંચાલિત  
મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર અને  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત  
એક દિવસીય નેશનલ સેમિનાર



## ભારતીય સાહિત્યમાં ભારતીયતા

### પ્રમાણપત્ર

શ્રી/શ્રીમતી/કુ. પી. ગણપતભાઈ એચ. શૌધરી (આર્ટ્સ કોલેજ, મોડાસા)  
એ મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી, હિંમતનગર અને ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર ના સંયુક્ત ઉપક્રમે  
તા. ૩૦ નવેમ્બર ૨૦૧૮ ને મંગળવાર ના રોજ આયોજિત એક દિવસીય નેશનલ સેમિનાર ભારતીય સાહિત્યમાં  
ભારતીયતા માં ઉપસ્થિત રહી આંગણિયાત નવલકથા માં ભારતીયતા વિષય પર  
વક્તવ્ય આપ્યું હતું/ શોધપત્ર રજુ કર્યું હતું/ સહભાગી ચર્ચક તરીકે હાજર રહી સક્રીય પાત્રો ભાગ લીધો છે. તેમની  
સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી ડુચિને અભિનંદી આ પ્રમાણપત્ર અર્પણ કરતાં ગૌરવ અનુભવીએ છીએ.

ડૉ. અજયકાંત શૌધરી  
પ્રાધ્યાપક  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

ડૉ. કે.વી. ગાંધી  
સંબોધક  
અધ્યક્ષ, ગુજરાતી વિભાગ

ડૉ. કે.એલ. પટેલ  
પ્રિન્સિપાલ  
મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ, વિદ્યાનગરી



विश्व विद्यालय (UGC) अनुदानित हिन्दी विषय की  
राष्ट्रीय-स्तरीय संगोष्ठी



श्री सी. डी. पटेल महाविद्या मंडल, तलोद  
संचालित



शेठ एच. पी. आर्ट्स एन्ड टी. एस. एम. कोमर्स कोलेज, तलोद.  
द्वारा आयोजित

**प्रमाणपत्र**

प्रमाणित किया जाता है कि

श्री / श्रीमती / सुश्री / डॉ. **पि. आर. आर. मोहल** ने

"हिन्दी साहित्य में मध्यकाल का पुनर्मूल्यांकन" पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय-स्तरीय  
संगोष्ठी में दिनांक ११ सितम्बर - २०१४ को उपस्थित रह कर अपना

**धन्यता : देव का धर धर**

शीर्षक प्रपत्र प्रस्तुत किया / सक्रिय योगदान किया।

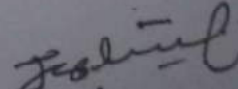
स्थल : तलोद.

दिनांक : ११ सितम्बर - २०१४

  
संयोजक

डॉ. वी. पी. चौहान

अध्यक्ष हिन्दी विभाग (स्नातक-अनुस्नातक)

  
प्राचार्य

डॉ. जगदीशचंद्र सी. पटेल

आर्ट्स एन्ड कोमर्स कोलेज, तलोद.





૨૦૧૮-૨૦૧૯

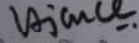
સરકારી વિનયન અને વાણિજ્ય કોલેજ, પોશીના  
અને  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત  
એક દિવસીય નેશનલ સેમિનાર

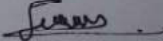
## નાટ્યકળા-જીવનકળા

પ્રમાણપત્ર

શ્રી/શ્રીમતી/કુ. પ્રી. ગણપતલાલ એમ. ચૌધરી

એ સરકારી વિનયન અને વાણિજ્ય કોલેજ, પોશીના અને ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી ગાંધીનગરના સંયુક્ત ઉપક્રમે તા. ૨૦ જાન્યુઆરી, ૨૦૧૮ને શનિવારના રોજ આયોજિત એકદિવસીય નેશનલ સેમિનાર નાટ્યકળા-જીવનકળામાં ઉપસ્થિત રહી ભારતીય નાટ્યકળા વિષય પર વક્તવ્ય આપ્યું હતું/શોધપત્ર રજૂ કર્યું હતું/સહભાગી ચર્યક તરીકે હાજર રહી સક્રીય પણે ભાગ લીધો છે. તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી ક્રિયાને અભિનંદી આ પ્રમાણપત્ર અર્પણ કરતાં ગૌરવ અનુભવીએ છીએ.

  
ડૉ. અજયસિંહ ચૌધાર  
મહામાન  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

  
પ્ર. ગણેશ એમ. પટેલ  
આચાર્ય  
સરકારી વિનયન અને વાણિજ્ય કોલેજ, પોશીના



17-18  
8/12/18

# International Conference

Indian Social Science Association (ISSA)  
Madhyanchal Sociological Society (MSS)

6th - 7th January, 2018



STS

Department of Sociology  
Indore Christian College, Indore.

## Certificate

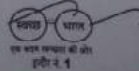
This is to certify that Prof. / Dr. / Ms. / Mr. Dr. Piyush R. Singh

Participated / presented a paper entitled Scientific Quest, Befitting Technology And Society In Advance

at the International Conference

on Science Technology and Society held on 6th - 7th January 2018 Department of Sociology, Indore Christian College, Indore.

Prof. Amit David Ph. D.  
Principal



Prof. Yashpal Vyas Ph. D.

# CONFERENCE CERTIFICATE



**आस्था**  
edvati | kara | ...  
ASIAN SOCIAL SCIENCES AND  
HUMANITIES ASSOCIATION  
Research & Development Wing

THIS IS TO CERTIFY THAT THE PAPER TITLED

**HOW DO HUMAN RELATIONSHIPS SHAPE  
ONE'S IDENTITY ?**

AUTHORED/CO-AUTHORED BY PROF/DR/MR/MRS/MS

**PROF. RAHULKUMAR BHENHARJI PATIL**

WAS PRESENTED AT THE 1<sup>ST</sup> INTERNATIONAL CONFERENCE ON  
"ROLE OF MULTIDISCIPLINARY INNOVATION FOR SUSTAINABILITY AND GROWTH POLICY"  
From 16th to 18th May 2017 at Jim Corbett national park, Uttaranchal.

DR. KISHORSINH N. CHAVDA  
CONFERENCE CHAIR

Prin. J.J. Shah Arts & H.P. Desai Comm. College, Surat, Gujarat.

Mr. RABINCHANDRA KOIRALA  
CONFERENCE CHAIR

Director: LUMBINI ACADEMIC FOUNDATION NEPAL

MR. SHASHI SHEKHAR IYER  
CONFERENCE SECRETARY

2017



**HEND 2017**  
December 18, 2017  
Monday

**3<sup>rd</sup>**

**International Conference**  
on Higher Education and New Developments

# Certificate of Participation

Prof. / Dr. / Mr. / Ms.

**Rahul B. Patel** – Shri S. K. Shah & Shri Krishna O.M. Arts College, Modas

participated in the

**3<sup>rd</sup> International Conference**

on

**“ Higher Education and New Developments ”**

organized by

**Swami Sahajanand College of Commerce & Management**

at Bhavnagar on December 18, 2017.

He / She presented the paper titled

**Status of Higher Education in Gujarat**



Success...Nothing Less...

In association with :



**Jan Wyzykowski  
University**

Poland

**Prof. Dr. Suresh R. Savani**

- (Founder Trustee & Chief Patron)
- Swami Sahajanand College of Commerce & Management
- (Head & Dean) Dept. of Commerce,
- M. K. Bhavnagar University, Bhavnagar

**Dr. Hetal J. Mehta**

(Principal & Conference Secretary)  
Swami Sahajanand College  
of Commerce & Management, Bhavnagar

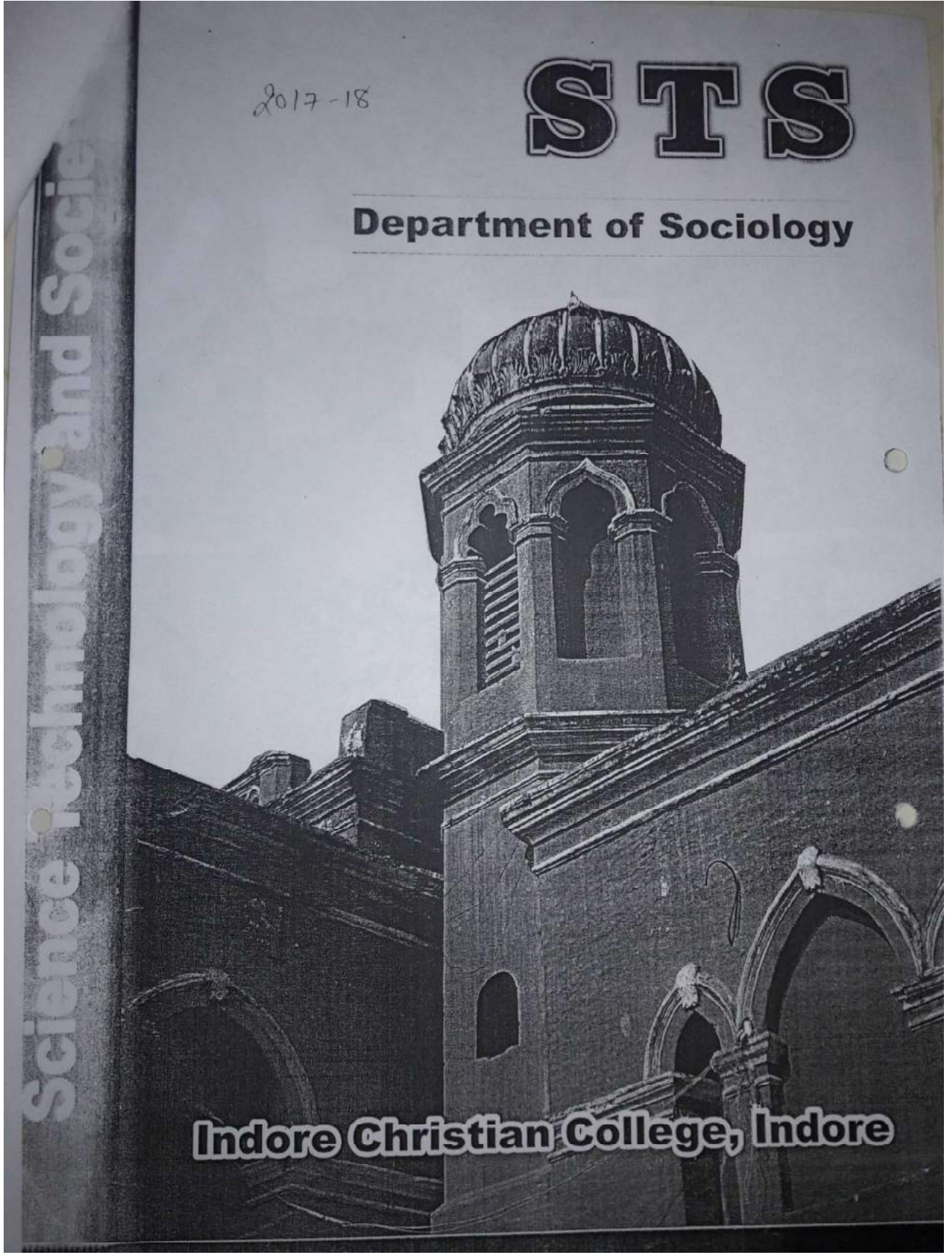
2017-18

# STS

Department of Sociology

Science Technology and Society

Indore Christian College, Indore







Shree Babulal Punamchand Shah Vidhyasankul  
Managed by

Smt. R. M. Prajapati Arts College, Satlasana

Department of Sanskrit and Gujarati

Jointly Organized

ONE DAY NATIONAL SEMINAR

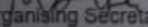
On

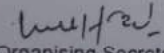
**BHARTIYA NATYA SAHITYA**

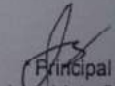
Date : 8<sup>th</sup> October, 2018

**Certificate**

This is to certify that Dr./Mr./Mrs. अंबुलाबेन नाथाबाई सोळंकी  
has attended a one - day national Seminar on 'BHARTIYA NATYA SAHITYA' held at  
Smt. R. M. Prajapati Arts College, Satlasana on 8<sup>th</sup> October, 2018. He/ She has chaired  
a session/participated / presented a paper entitled नाटक का उद्भव तथा  
विशेषताएं

  
Organising Secretary  
Department of Sanskrit

  
Organising Secretary  
Department of Gujarati

  
Principal  
Smt. R. M. Prajapati Arts College, Satlasana

साहित्य अकादमी नई दिल्ली

एवं

श्री कलजीभाई आर. कटारा कला महाविद्यालयः



ईत्येताभ्यां संस्थाभ्यां आयोजितः  
परिसंवादः



॥ प्रमाणपत्रम् ॥

श्री अन्नम्मट्टः एवं तर्कसंग्रहः ईत्येतं विषयमधिकृत्य १०-९-२०१८

तमे दिनांके चन्द्रवासरे समायोजिते परिसंवादे डा. भंजुलाबेनः रू. सोलंकी  
द्वारा तर्क संग्रहमां हेत्वाभास- विषयोपरि लिखितं स्वशोधपत्रम्

समर्पितम् ।

*N. M. M.*  
संस्कृतविभागध्यक्षः

डॉ. मधुसूदनः एम. व्यासः

*A. K.*  
प्राचार्य

डॉ. अजयः के. पटेलः

श्री कलजीभाई आर. कटारा कला महाविद्यालयः  
शामलाजी



Two – Day International Seminar

17-18



on

**Veda - Upanishad**

Organised by

Gujarat Law Society's

**B. D. College, Ahmedabad**

and

**Arya Samaj, Thaltej, Ahmedabad**

*Certificate*

This certificate is awarded to Dr. / Prof. / Mr. / Ms. SOLANKI MANJULABEN

NATHABHAI

for His / Her participation/Chairing a session/Acting as a Reporter/Paper

Presentation on वेद में पर्यावरण की रक्षा

in a Two-

Day International Seminar on Veda – Upanishad organised by B. D. College, Ahmedabad and Arya Samaj, Thaltej during 20<sup>th</sup> & 21<sup>st</sup> January, 2018.

Shri Amarlal Arya  
President

Arya Samaj, Thaltej, Ahmedabad

Co - Ordinator

Prin. Dr. Geeta Mehta

B. D. College, Ahmedabad



विश्वमंगलम् केंद्रवर्षी मंडल, विद्यानगरी, हिंमतनगर संघालित  
महिला आर्ट्स कोलेज, विद्यानगरी, हिंमतनगर अने  
संस्कृत साहित्य अकादमी, गांधीनगर ना संयुक्त उपक्रमे आयोजित  
अेड द्विवसीय नेशनल सेमिनार



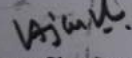
# डिपनिषद साहित्य अने तेनुं तत्वदर्शन

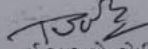
## प्रमाणपत्र

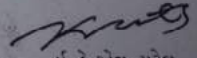
श्री/श्रीमती/कु. मंजुला एन. सोलंकी (आर्ट्स कॉलेज, मोडासा)

अे महिला आर्ट्स कोलेज, विद्यानगरी, हिंमतनगर अने संस्कृत साहित्य अकादमी, गांधीनगर ना संयुक्त उपक्रमे ता. ०४ जून्युआरी २०१८ ने  
गुडवारनारोज आयोजित अेड द्विवसीय नेशनल सेमिनार डिपनिषद साहित्य अने तेनुं तत्वदर्शन मां उपस्थित रही

ऐतरेय उचनिषत्, मे ऋषिष्टि प्रकथा विषय पर वक्तव्य आभुं छतुं/ शोधपत्र रजु कयुं छतुं/ साडभागी  
अर्थेड तरीडे डालर रही सकीय पागे भाग लीधा छ. तेमनी साहित्य अने अध्यापन पररवेनी आवी ऋषिने अभिनंदी आ प्रमाणपत्र अर्पाग  
करतां गौरव अनुभवीअे छीअे.

  
डॉ. अणवसिडु श्रीडाराग  
महामात्र  
संस्कृत साहित्य अकादमी, गांधीनगर

  
डॉ. आर. नं. जोषी  
संपोणड  
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग

  
डॉ. के. अेल. पतेल  
वि-सीपाव  
महिला आर्ट्स कोलेज, विद्यानगरी



# Certificate

श्रीकृष्ण प्रेम संस्थान द्वारा संचालित ( दृस्ट रजि. नं. ई ३२६४ साबरकांठा )

## हिन्दू रिसर्च फाउन्डेशन

श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर, पोस्ट बॉक्स नं. ११, हिंमतनगर-३८३००१ ( गुजरात ) भारत

Aug-2016

### राष्ट्रीय संगोष्ठी National Seminar

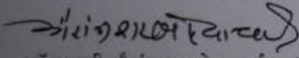
दिनांक : १३ अगस्त २०१६

विषय : हमारा समय, समाज और महाभारत ( महाभारत आधुनिक संदर्भ )

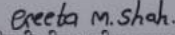
प्रमाणित किया जाता है कि प्रा./डॉ./श्रीमान/श्रीमती/कुमारी डॉ. जोशी दीपककुमार हीरापाल

विभाग \_\_\_\_\_ महाविद्यालय/शिक्षण संस्था प्रिन्सीपाल, श्री एस.के.शार आर्ट्स & साइंस  
श्री कृष्ण ओ.एम.आर्ट्स कॉलेज, कोडासा ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। इन्होंने इस संगोष्ठी में वक्तव्य / शोधपत्र भी प्रस्तुत किया,

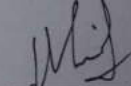
जिसका शीर्षक " महाभारत यज्ञप्रश्न आजका संदर्भ " था।



डॉ. स्वामी गौरांगशरणदेवाचार्य  
निदेशक



श्रीमती गीता मनीषकुमार शाह  
अध्यक्ष



मनीषकुमार शाह  
समारोह अध्यक्ष

जगदीश होल - हिंमतनगर

૨૦૧૬-૧૭

શ્રી હેમચંદ્રાચાર્ય ઉત્તર ગુજરાત યુનિવર્સિટી, MA સેમેસ્ટર-૨ પ્રશ્નપત્ર-૪ના  
(Elective) પુરાણશાસ્ત્ર માટે ઉપયોગી પાઠ્યપુસ્તક

મહર્ષિવેદવ્યાસરચિતમ્  
**વાયુપુરાણ**  
(નિયત અધ્યાય)

: સમ્પાદકો :

પ્રો. સુરેશ જ. દવે (નિ.)

અમદાવાદ

પ્રા. વર્ષાબહેન પી. દવે

શેઠ એચ. પી. આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - તલોદ

પ્રા. ડો. રાકેશકુમાર રાણા

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - ઈડર

પ્રા. ડો. સુરેશ એસ. પટેલ

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ - વિજાપુર

પ્રિ. ડો. દીપકભાઈ જોષી

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - મોડાસા

પ્રા. ભાનુપ્રસાદ ડી. પટેલ

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - ઈડર

પ્રિ. ડો. કરુણાબેન ત્રિવેદી

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ - ઈડર

પ્રા. ડો. રાકેશ જોષી

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - હિંમતનગર

પ્રા. ડો. જયશ્રીબેન દેસાઈ

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ - મોડાસા

પ્રિ. ડો. વર્ષાબેન પટેલ

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - શામળાજી

પ્રા. ડો. સમીરભાઈ પ્રજાપતિ

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - રાધનપુર



સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર, અમદાવાદ-૧.

શ્રી હેમચંદ્રાચાર્ય ઉત્તર ગુજરાત યુનિવર્સિટી MA સેમેસ્ટર-2 પ્રશ્નપત્ર-4  
(Elective) પુરાણશાસ્ત્ર માટે ઉપયોગી પાઠ્યપુસ્તક

મહર્ષિવેદવ્યાસરચિતમ્  
**વાયુપુરાણ**

(નિચત અધ્યાય)

: સંપાદકો :

પ્રો. સુરેશ જ. દવે (નિ.)

અમદાવાદ

પ્રા. વર્ષાબહેન પી. દવે

શેઠ એચ. પી. આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - તલોદ

પ્રા. ડો. રાકેશકુમાર રાણા

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - ઈડર

પ્રા. ડો. સુરેશ એસ. પટેલ

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ - વિજાપુર

ડો. દીપકભાઈ જોષી

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - મોડાસા

પ્રા. ભાનુપ્રસાદ ડી. પટેલ

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - ઈડર

પ્રિ. ડો. કરુણાબેન ત્રિવેદી

મહિલા આર્ટ્સ કોલેજ - ઈડર

પ્રા. ડો. રાકેશ જોષી

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - હિંમતનગર

પ્રા. ડો. જયશ્રીબેન દેસાઈ

આર્ટ્સ કોલેજ - મોડાસા

ડો. વર્ષાબેન પટેલ

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - શામળાજી

પ્રા. ડો. સમીરભાઈ પ્રજાપતિ

આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ - રાધનપુર



સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર, અમદાવાદ-૧.

પ્રકાશક : અશ્વિનભાઈ બી. શાહ  
સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર  
૧૧૨, હાથીખાના, રતનપોળ  
અમદાવાદ-૩૮૦ ૦૦૧.  
ફોન :- ૨૫૩૫ ૬૬ ૯૨

ISBN : 978-93-83843-24-4

© સંપાદકો

આવૃત્તિ : ૨૦૧૬-૧૭

કિંમત : રૂ. ૩૫૦-૦૦

મુદ્રક : મનન ટાઈપ સેટર્સ  
દિલીપ આઈ. પટેલ  
૮૫૬, નારણપુરા ગામ,  
ચોથો વાસ, અમદાવાદ-૧૩.  
(મો.) ૯૩૭૫૯ ૨૦૫૨૯





ISBN 978-93-8384324-4



सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद-१.



संस्कृत साहित्य अकादमी, गांधीनगर  
एवं  
श्री एच. के. आर्ट्स कॉलेज (संस्कृत विभाग)  
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद  
'आधुनिक संस्कृत साहित्य-विविध दिशाएँ'



**प्रमाणपत्र**

डॉ. / प्रा. / श्री / सुश्री..... प्रा. डॉ. अशोक..... एम. पटेल..... ने  
दिनांक २०-१-२०१६, बुधवार को श्री एच. के. आर्ट्स कॉलेज में 'आधुनिक संस्कृत साहित्य-विविध दिशाएँ' विषयक राष्ट्रीय परिसंवाद  
में सोल्साह प्रतिभागिता की है। आपने आधुनिक कविता के परिप्रेक्ष्य में..... विषय पर  
संशोधनपत्र प्रस्तुत किया है। संस्था समीरव आपको धन्यवाद-ज्ञापन करती है।  
कवि डॉ. रमाकांत शुक्ल

श्री मनोज ओझा  
महामात्र  
गुजरात साहित्य अकादमी

डॉ. हर्षदेव माधव  
संयोजक  
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग

सुभाष ब्रह्मभट्ट  
आचार्य  
श्री एच. के. आर्ट्स कॉलेज



સંસ્કૃત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગરના ઉપક્રમે  
શ્રી એચ. કે. આર્ટ્સ કોલેજ, સંસ્કૃત વિભાગના આતિથ્યે  
આયોજિત




વ્યાખ્યાનમાળા અને રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ


"આધુનિક સંસ્કૃત સાહિત્ય ઓર હર્ષદેવ માધવ કા સર્જન"

દિનાઙ્ક : ૨, સપ્ટે., ૨૦૧૬, શુક્રવાર

## પ્રમાણપત્ર

આથી પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે, શ્રી/સુશ્રી/પ્રા./ડૉ. ~~પ્રવીણ વ્રજવંશી મોગ~~  
.....એ તા. ૨ સપ્ટેમ્બર ૨૦૧૬ના રોજ આયોજિત રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં  
સક્રિય ભાગ લીધો છે. તેમણે ~~વિશિષ્ટ માનવિત સહતા - વિલોચન પત્ર~~  
વિષય પર શોધપત્ર પ્રસ્તુત કરેલ છે. આ સંસ્થા તરફથી તેમને TA/DA ચૂકવવામાં આવ્યું નથી.  
સંસ્થા તેમની ઉપસ્થિત માટે સાભાર અર્પિતની વાંચાણી અનુભવે છે.

  
આચાર્ય  
સુભાષ બ્રહ્મભટ્ટ

  
સંચોવક  
ડૉ. રવીન્દ્રકુમાર ખાંડવાળા

મહામાત્ર  
મનોજ ઓગા

C. & S. H. DESAI ARTS COLLEGE & L. K. L. DOSHI COMMERCE COLLEGE, BALASINOR.

(NAAC 'B' GRADE)

Managed by

BALASINOR VIDYA MANDAL, BALASINOR.

Organized

One Day National Seminar cum Workshop

IMPORTANCE & RELEVANCE OF API IN CAREER ADVANCEMENT SCHEME (CAS)

30<sup>th</sup> August, 2016

Tuesday

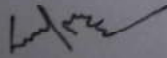


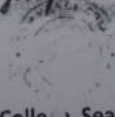
## Certificate

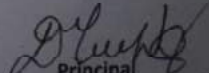
This is to certify that Mr. / Miss / Mrs. / Prof. / Dr. Ashok. M. Patel of  
College / Institute / Department Arts College, Modasa has

participated in the One Day *National Seminar cum Workshop* held on 30<sup>th</sup> August, 2016 (Tuesday)  
at C. & S. H. Desai Arts and L. K. L. Doshi Commerce College, Balasinor. We appreciate his / her participation.

Title of the research paper :- On Rol of teacher in API Calculation in the part of teaching  
Learning category.

  
Convener

  
College Seal

  
Principal



# Certificate

श्रीकृष्ण प्रेम संस्थान द्वारा संचालित ( दस्ता रिजि. नं. ई ३२६४ माधनकोटा )

## हिन्दू रिसर्च फाउन्डेशन

श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर, पोस्ट बॉक्स नं. १९, हिमतनगर-३८३००९ ( गुजरात ) भारत

### राष्ट्रीय संगोष्ठी National Seminar

दिनांक : १३ अगस्त २०१६



विषय : हमारा समय, समाज और महाभारत (महाभारत आधुनिक संदर्भ)

प्रमाणित किया जाता है कि प्रा./डॉ./श्रीमान/श्रीमती/कुमारी प्रो. डॉ. अश्विनी अमी पटेल

विभाग संस्कृत महाविद्यालय/शिक्षण संस्था आर्य कोलेज

अहमदाबाद ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। इन्होंने इस संगोष्ठी में वक्तव्य / शोध

जिसका शीर्षक महाभारत में राजनीति आधुनिक संदर्भ

डॉ. स्वामी गौरांगशरणदेवचार्य  
निदेशक

नीच हस्ताक्षर  
अध्यक्ष

जगदीश हॉल - हिम

# Certificate

श्रीकृष्ण प्रेम संस्थान द्वारा संचालित ( दृष्ट रजि. नं. ई ३२६४ साबरकांठा )

## हिन्दू रिसर्च फाउण्डेशन

श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर, पोस्ट बॉक्स नं. ११, हिमतनगर-३८३००१ ( गुजरात ) भारत

### राष्ट्रीय संगोष्ठी National Seminar

दिनांक : १३ अगस्त २०१६

विषय : हमारा समय, समाज और महाभारत (महाभारत आधुनिक संदर्भ)



प्रमाणित किया जाता है कि प्रा./डॉ./श्रीमान/श्रीमती/कुमारी ज्यश्री जे. व्. देसाई

विभाग \_\_\_\_\_ महाविद्यालय/शिक्षण संस्था स्वामी अशोक मोडरना

ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लीया। इन्होंने इस संगोष्ठी में वक्तव्य / शोधपत्र भी प्रस्तुत किया,

जिसका शीर्षक लगावगीतामां ठमं बीसावा था।

डॉ. स्वामी गौरांगशरणदेवाचार्य  
निदेशक

Erreba M. Shah  
श्रीमती गीता मनीषकुमार शाह  
अध्यक्ष

M. S. Shah  
मनीषकुमार शाह  
समारोह अध्यक्ष

जगदीश हॉल - हिमतनगर



રાજપુર કલવણી મંડળ  
સંગઠિત

## વિજયનગર આર્ટ્સ કૉલેજ, વિજયનગર

(NAAC REACCREDITATION-B)

સંલગ્ન હેમચંદ્રાચાર્ય ઉત્તર ગુજરાત યુનિવર્સિટી, પાટણ  
દ્વારા આયોજિત



### એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ

ગુજરાતી : “પ્રેમાનંદનાં આખ્યાનોમાં પાત્ર-નિરૂપણ કલા”

તારીખ : ૧૧ ફેબ્રુઆરી - ૨૦૧૭

## ॥ પ્રમાણપત્ર ॥

આથી પ્રમાણિત કરવામાં આવે છે કે પ્રા./ડૉ./શ્રી/શ્રીમતી મનીનાબેન એ. સૌરાલ

સંસ્થા આર્ટ્સ કૉલેજ પાટણ એ વિજયનગર આર્ટ્સ કૉલેજના

તત્વાવધાનમાં તા. ૧૧-૨-૨૦૧૭ના રોજ “પ્રેમાનંદનાં આખ્યાનોમાં પાત્ર-નિરૂપણ કલા” શીર્ષક પર આયોજિત રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં અધ્યક્ષ / મુખ્ય મહેમાન / અતિથિ વિશેષ / પ્રવર્તક / વક્તા તરીકે સક્રિય સભાગી બન્યા છે તથા

શીર્ષક પર શોધપત્ર પ્રસ્તુત કર્યું છે.

સ. ર. પંચોલા  
પ્રા. સી. એલ. પંચોલા  
સંચોક્ક

સી. એલ. પંચોલા  
ડા. આચાર્ય



# CERTIFICATE



**National Seminar**  
**Shri P. K. Chaudhari Mahila Arts College**  
GANDHINAGAR

(NAAC GRADE 'B' 2.71 CGPA) Gujarat University

**Home Science Department**  
**&**  
**Inter National Institute of Fashion Design-INIFD**

This is to Certify that Ms/Shri / Prof/Dr. Raval Gitaben B. has  
successfully Participated / Presented in a national seminar on "Textile & Fashion Design in New Era"  
on 9<sup>th</sup> February 2017.

Title of the Paper : આભરણો પર પુસ્તકોના આકારો

Dr. Urmila C. Chaudhari  
I/C Principal  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

Prof. Pratima M. Chhaniyara  
HOD Home Science Dept.  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

Dr. Hemangini S. Waghela  
Co-ordinator  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

Smt. Kinjal Makwana  
Managing Director  
INIFD, Gandhinagar



NATIONAL SEMINAR on  
History of Solanki-Vaghela age and Historical Novels



Organized by

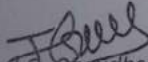
**Arts College, Vadali**

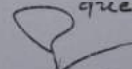
Managed by Shree Vadali Kelavani Mandal




**Certificate**

This is to Certify that Mr./Mrs./Dr./Prof. Vandana Parmar  
of Arts College, Modasa participated in One day National Seminar on  
'History of Solanki-Vaghela age and Historical Novels' Organized by Arts College, Vadali held on  
September 04, 2016 and presented his/her paper on 'Transformation from Hinduism  
to Jainism: Religious quest of Jaysimha Siddhanaja----

  
Prof. Dr. J. G. Chaudhari  
Seminar Convener  
Dept. of History,  
Arts College, Vadali.

  
Prof. Dr. P. R. Patel  
Seminar Convener  
Dept. of Gujarati,  
Arts College, Vadali.

  
Dr. Nareshbhai R. Patel  
Principal,  
Arts College, Vadali,  
Dist. Sabarkantha.

16-17



# International Conference

on

## The Journey of Indian Languages: Perspectives on Culture and Society

### Certificate

This is to certify that Sinh Piyushkumar Ramvilas  
has participated / presented a paper on "The Impact of Media, Culture In Global Society"

at the International Conference on The Journey of Indian Languages: Perspectives on Culture and Society jointly organised by Dr. Babasaheb Ambedkar Open University (BAOU), Ahmedabad & Indira Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi held on 14-15 October, 2017 at Dr. Babasaheb Ambedkar Open University, 'Jyotirmay' Parisar, S. G. Highway, Chharodi, Ahmedabad, Gujarat, Bharat.

**Prof. (Dr.) Jitendra Kumar Srivastava**  
Professor & (I/c.) Registrar  
Indira Gandhi National Open University

**Prof. (Dr.) Ami Upadhyay**  
Director & (I/c.) Registrar  
Dr. Babasaheb Ambedkar Open University

**NATIONAL SEMINAR on  
History of Solanki-Vaghela age and Historical Novels**

Organized by

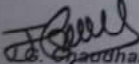
**Arts College, Vadali**

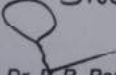
Managed by Shree Vadali Kelavani Mandal

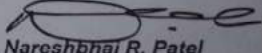


**Certificate**

This is to Certify that Mr./Mrs./Dr./Prof. Deshmukh Mohambhai B.  
Of Arts College, Modasa participated in One day National Seminar on  
'History of Solanki-Vaghela age and Historical Novels' Organized by Arts College, Vadali held on  
September 04, 2016 and presented his/her paper on 'Political & Cultural Situation of  
Siddhareja Jaysimha'

  
Prof. Dr. G. Chaudhari  
Seminar Convener  
Dept. of History,  
Arts College, Vadali.

  
Prof. Dr. P. R. Patel  
Seminar Convener  
Dept. of Gujarati,  
Arts College, Vadali.

  
Dr. Nareshbhai R. Patel  
Principal,  
Arts College, Vadali,  
Dist. Sabarkantha.



## CERTIFICATE



**National Seminar**  
**Shri P. K. Chaudhari Mahila Arts College**  
GANDHINAGAR

(NAAC GRADE 'B' 2.71 CGPA) Gujarat University

**Home Science Department**  
&

**Inter National Institute of Fashion Design-INIFD**

This is to Certify that Ms/Shri / Prof/Dr. Garasia Pushpaben B. has  
successfully Participated / Presented in a national seminar on "Textile & Fashion Design in New Era"  
on 9<sup>th</sup> February 2017.

Title of the Paper : History of clothing & Textile

Dr. Urmila C. Chaudhari  
I/C Principal  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

Prof. Pratima M. Chhaniyara  
HOD Home Science Dept.  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

Dr. Hemangini S. Waghela  
Co-ordinator  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

Smt. Kinjal Makwana  
Managing Director  
INIFD, Gandhinagar





## CERTIFICATE



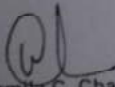
**National Seminar**  
**Shri P. K. Chaudhari Mahila Arts College**  
GANDHINAGAR

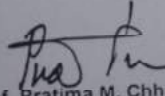
(NAAC GRADE 'B' 2.71 CGPA) Gujarat University

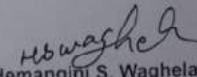
**Home Science Department**  
**&**  
**Inter National Institute of Fashion Design-INIFD**

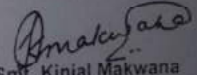
This is to Certify that Ms/Shri / Prof./Dr. Patel Kokilaben H. has  
successfully Participated / Presented in a national seminar on "Textile & Fashion Design in New Era"  
on 9<sup>th</sup> February 2017.

Title of the Paper : રિશીર્ષનના તરફથી અને સિદ્ધાંતો

  
Dr. Urmila C. Chaudhari  
I/C Principal  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

  
Prof. Pratima M. Chhaniyara  
HOD Home Science Dept.  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

  
Dr. Hemangini S. Waghela  
Co-ordinator  
Shri P. K. Chaudhari  
Mahila Arts College

  
Smt. Kinjal Makwana  
Managing Director  
INIFD, Gandhinagar



UGC SPONSORED

# NATIONAL SEMINAR

on

## STRESS AND HEALTH

મનોભાર અને સ્વાસ્થ્ય

❖ Organised by ❖

Smt. R.R.H. Patel Mahila Arts College, Vijapur

(Affiliated to Hemchandracharya North Guj.Uni., NAAC accredited : 'B' grade)

### CERTIFICATE

This is to certify that Dr./ Mr./ Mrs. HEARSHI RAKHASHIA

Shri S.K. Shah & Shri Krishna SM Arts College, Madasa attended Two-Day

National Seminar on STRESS AND HEALTH (મનોભાર અને સ્વાસ્થ્ય) held at

SMT. R.R.H. PATEL MAHILA ARTS COLLEGE, VIJAPUR on 23-24 July, 2016.

He/She chaired a session / participated / presented a paper entitled Mental Health of

a Student : Specific Reference to Gender, Physical &

Castes

P.M. Prajapati

Dr. P. M. Prajapati

(Seminar Convener)

Department of Psychology

Smt. R.R.H. Patel

Mahila Arts College, Vijapur

Dr. S.S. Patel

(Principal)

Smt. R.R.H. Patel

Mahila Arts College,

Vijapur

॥ श्रीस्वामिनारायणो विजयतेनराम् ॥

जूनागढस्थितेन श्रीस्वामिनारायणमुख्यमन्दिरेण, सोराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषदा च समायोजितम् द्विदिवसीयम्

16-17

## ॥ अन्ताराष्ट्रिय-संस्कृतसम्मेलनम् ॥

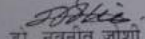
दिनाङ्कौ :- ४-५ मार्च २०१७

स्थलम् :- श्रीस्वामिनारायणमुख्यमन्दिरम्, जूनागढम्

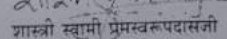


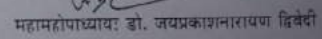
सानन्दमेतत्प्रमाणोक्तिर्यत्ने यत् श्री/प्रो./डॉ. अंजुला जेन नाथाबाई सीलंडी

य/या आरुस डोले, ओडिसा संस्थायाः/स्थानात् सा/सा सर्वावतारिभगवत्श्रीस्वामिनारायणस्य  
महत्या कृपया श्रीस्वामिनारायणसंप्रदायस्य अनन्तश्रीविभूषितानां वृत्तालयस्थश्रीलक्ष्मीनारायणदेवपीठाधिपतीनां श्रीमतामाचार्याणां परमपूज्यानां  
सनातनधर्मधरानां १००८ श्रीअजेन्द्रप्रसादजीमहाराजानामाजया एवं श्रीमतां भावि-आचार्याणां परमपूज्यानां १०८ (पुत्रराज - लालजी)  
श्रीनृगोन्द्रप्रसादजीमहाराजानां दिव्यसाहित्ये भारतदेशे गुजरातराज्ये जूनागढनगरे श्रीस्वामिनारायणमुख्यमन्दिरे समायोजिते अन्ताराष्ट्रिये संस्कृतसम्मेलने  
भागं गृहीत्वा पुराणो अं लिङ्गानि इति  
शीर्षकेण स्वकीयं शोधपत्रं प्रास्तौदिति तेन/तया शोधसंगोष्ठिसत्राऽध्यक्षत्वम्/आवाहकत्वम् निर्व्यूढम् ।

  
डॉ. नवनीत जोशी  
(महामन्त्री)

सोराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषद्,  
राजकोटनगरम्

  
शास्त्री स्वामी प्रेमस्वरूपदासजी  
महंतन्वामी, एवं सप्रमुख दृष्टीमंडलम्  
च स्वामिनारायणमुख्यमन्दिरम्,  
जूनागढनगरम्

  
महामहोपाध्यायः डॉ. जयप्रकाशनारायण द्विवेदी  
(जयन्ताः)

सोराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषद्,  
राजकोटनगरम्, गुजरातराज्यम्

16-17  
Gujarat Sanskrit Sahitya Academy  
Sponsored One Day National Seminar  
On

**PHILOSOPHY IN UPNISHADS**

**उपनिषदो का तत्त्वज्ञान**

Organised by

**Smt. R.M. Prajapati Arts College, Satlasana**

(Affiliated to Hemchandracharya North Gujarat University, Patan)  
Department of Sanskrit, February 14<sup>th</sup> 2017



*Certificate*

This is to certify that Dr./Mr./Mrs. *Manjulaben N. Salanki*.....  
.....*Salanki*..... has attended a one - day national Seminar  
on '**PHILOSOPHY IN UPNISHADS**' held at Smt. R. M. Prajapati  
Arts College, Satlasana on 14<sup>th</sup> February 2017. He/ She has chaired  
a session/participated / presented a paper entitled *ईशावास्य*.....  
.....*उपनिषद में कर्मयोग ।*.....

*M. A. Patel*  
Dr. M. A. Patel  
Organising Secretary

*J. M. Barot*  
Dr. J. M. Barot  
Principal  
Smt. R. M. Prajapati Arts College,  
Satlasana-384330 Dist. Mehsana





# Smt. P. N. Doshi Women's College of Arts

ICHR SPONSORED


10th Dr. Mani Kamerkar Memorial National Level Seminar

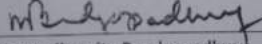
Hosted by


Department of History

## Certificate

This is to certify that Mr/ Ms /Dr. Manubhai Makwana of S.K. Shah  
College / University has Attended / Presented a paper titled Bhavat Ma gteiyoni qsthitima Pasivautan  
at the National Level Seminar on 'Social Transformation : A Historical Perspective' on 1st October 2016.

  
Prof. Kokila Joshi  
Co-ordinator

  
Dr. Madhumita Bandyopadhyay  
Convener & Head, Department of History

  
Dr. S. Kumudhavalli  
Principal

**NATIONAL SEMINAR on  
History of Solanki-Vaghela age and Historical Novels**

Organized by

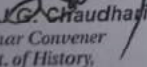
**Arts College, Vadali**


Managed by Shree Vadali Kelavani Mandal

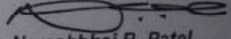


**Certificate**

This is to Certify that Mr./Mrs./Dr./Prof. Manubhai H. Makvana  
Of Arts College, Motusa participated in One day National Seminar on  
'History of Solanki-Vaghela age and Historical Novels' Organized by Arts College, Vadali held on  
September 04, 2016 and presented his/her paper on \_\_\_\_\_

  
Prof. Dr. J.G. Chaudhari  
Seminar Convener  
Dept. of History,  
Arts College, Vadali.

  
Prof. Dr. P. R. Patel  
Seminar Convener  
Dept. of Gujarati,  
Arts College, Vadali.

  
Dr. Nareshbhai R. Patel  
Principal,  
Arts College, Vadali,  
Dist. Sabarkantha.

# Asait Sahitya Sabha

## INTERNATIONAL CONFERENCE

### on Drama and Stage

2016-2017

In Collaboration With



Gujarat State Sangeet Natak Akadami




Gujarat Sahitya Akadami

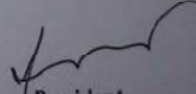


B.P. Brahmabhatt Arts &  
M.H. Guru Comm. College, Unjha

### Certificate

This is to certify that Dr./Mr./Miss./Ms Prof. Ganpatbhai M. chandhary  
from Mahila Asts. College, modasa  
has attended the International Conference held on 25-26-27 March, 2016 at Unjha. He/She rendered  
his/her service as \_\_\_\_\_ . He/She presented a paper  
entitled Gujarati Sahitya ma Gandhi Yug na. Nataka . We appreciate his/her  
valuable contribution to enrich the Event.

  
Principal  
B. P. Brahmabhatt Arts &  
M. H. Guru Comm. College, Unjha

  
President  
Asait Sahitya Sabha

# CERTIFICATE



Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar

and

Managed by Madresa Moinul Islam Trust

S. B. Mahila Arts College, Himatnagar, Dist. S.K.



ONE DAY NATIONAL SEMINAR

2016-17

ON

"AKHA ANE KABIRNA VICHARONU PUNAH MULYANKAN" 3rd March, 2016

We are pleased to certify that Dr./Mr./Madam Prof. Ganpatbhai M. Chaudhary  
of Arts college, Modasa.

has participated / presented the paper titled સરખીતી સિદ્ધિ  
इतिहास

in the National Seminar \_\_\_\_\_

*S.M.S.* Co-Ordinator  
Dr. S. M. Shaikh  
(Dept. of Hindi)

*I.A.G.*  
Dr. I. A. Gazi  
(Dept. of Gujarati)

*N.R.S.*  
V/C Principal  
Dr. N. R. Shaikh  
S.B. Mahila Art College, Himatnagar.



2016-2017



ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

અને

હિંમતનગર ટ્રેગવણી મેળા સંગઠિત

શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ,

હિંમતનગરના સંયુક્ત ઉપક્રમે

રાષ્ટ્રીયકક્ષાનો એકદિવસીય પરિસંવાદ

ગુજરાતી લલિત નિબંધમાં પ્રગટતી ગ્રામચેતના

# પ્રમાણપત્ર

શ્રી. શ્રી જી. ઓમ. ચૌધરી

ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર અને

શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ,

હિંમતનગરના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત રાષ્ટ્રીયકક્ષાના એકદિવસીય પરિસંવાદ

ગુજરાતી લલિત નિબંધમાં પ્રગટતી ગ્રામચેતનામાં

ઉપસ્થિત રહી

“ ‘મીઠો’ માં ગ્રામ ચેતના ”

વિષય પર વક્તવ્ય આપ્યું હતું / શીઘ્રપત્ર રજૂ કર્યું / સહભાગી તરીકે હાજર

રહ્યા તે બદલ એમને સાબિનંદત આ પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે.

મનોજ ઓઝા  
સહભાગી,  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી,  
ગાંધીનગર

ડૉ. ઉત્પલ પટેલ  
પરિસંવાદ સંયોજક

શ્રી. જી. ડોશી  
કાર્યકારી આચાર્ય,  
આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ,  
હિંમતનગર

તારીખ: ૧૬ ફેબ્રુઆરી, ૨૦૧૬

અથવા શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ, હિંમતનગર

૨૦૧૬-૨૦૧૭

યુ.જી.સી. અને શામળાજી પ્રદેશ કેળવણી મંડળ, સંચાલિત

આર્ટ્સ કોલેજ, શામળાજી

NAAC ACCREDITATION - B

દ્વારા આયોજિત...

રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ

“ઉમાશંકર જોષીના સાહિત્યનું સમગ્રલક્ષી મૂલ્યાંકન”


તા. ૨૯-૩૦ જાન્યુઆરી ૨૦૧૬

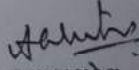
પ્રમાણપત્ર

E-mail : atpate60615@gmail.com

www.artscollege.shamlajiji.org

પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે “ઉમાશંકર જોષીના સાહિત્યનું સમગ્રલક્ષી મૂલ્યાંકન” વિષયક રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં શ્રી/શ્રીમતી/ડૉ./પ્રા. સૌધરી ગણપત્ત લાર્ડ મેમ. (કે) એસ. ડી. શાહ એન્ડ શ્રીમતી એ. એમ. વ્યાજ્ઞ સેવે, મોડાવા એ અલ્પદા/ગુણ્ય મહેમાન/અતિથિ વિશેષ/સંશોધન કર્તા/સહભાગી તરીકે પરિસંવાદમાં ઉત્કૃષ્ટતા પૂર્વક ભાગ લીધેલ છે. જેમાં ઉમાશંકર જોષીની 'કાવળી જોષી' વાર્તાનાં ગ્રામ સ્વરૂપ વિષય પર પોતાનું સંશોધનપત્ર રજૂ કરેલ છે.

  
ડૉ. ડી. સી. પટેલ  
સંયોજક

  
ડૉ. અજય પટેલ  
આચાર્યશ્રી





Dec-2015

Department of Sanskrit  
Gujarat University



organises

international seminar on  
energiesing cultures  
the eco-centric indian experience

# Certificate

This is to certify Prof/ Dr./ Shree/ Mr./ Mrs.

DEEPAK H. JOSHI of

has participated/ presented a paper entitled

"अधुना तेन पर्यावरण संबंधित विचार"

in the International Seminar on Energising Cultures: the Eco-centric Indian

Experience organised by Department of Sanskrit, Gujarat University &

Shiv Yog held on 3<sup>rd</sup>, 4<sup>th</sup>, 5<sup>th</sup> December, 2015 at Ahmedabad, Gujarat, India.

Dr. Hetal Pandya  
Co-ordinator of ECEIE

Dr. M. N. Patel  
Vice Chancellor, Gujarat University

Avadhoot Shivanandji  
Founder of Shiv Yog

Oct 2015



साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

और



गुजरात विनयन एवं विज्ञान महाविद्यालय, अहमदाबाद  
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत परिसंवाद  
'आधुनिक काव्य विधाएँ और संस्कृत कविता'

दिनांक : 18-10-2015

॥ प्रमाणपत्र ॥

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री जोषी दिपक लक्ष्मण अं  
दिनांक १८-१०-२०१५ को साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली और गुजरात विनयन एवं विज्ञान महाविद्यालय, अहमदाबाद के संयुक्त  
तत्त्वावधान में आयोजित 'आधुनिक काव्य विधाएँ और संस्कृत कविता' विषयक राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर अपना सक्रिय  
योगदान दिया है। इस परिसंवाद में आपने संस्कृत कविता में प्रकृति विषय  
पर अपना शोधपत्र/व्याख्यान प्रस्तुत किया है।

डॉ. ब्रजेन्द्र त्रिपाठी  
सचिव,  
साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

डॉ. उर्वी पी. दवे  
अध्यक्षा, संस्कृत विभाग  
गुजरात विनयन एवं विज्ञान महाविद्यालय

डॉ. अण्णन्दसिंह एस. राठौर  
आचार्य,  
गुजरात विनयन एवं विज्ञान महाविद्यालय



શેઠ એચ.પી. આર્ટ્સ એન્ડ ટી.એસ.એમ. કોમર્સ કોલેજ, તલોદ.

યુ.જી.સી. પ્રેરિત

રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ

વિષય : મહાકવિ કાલિદાસનું જીવન અને સર્જનની પ્રસ્તુતતા : પુનર્મૂલ્યાંકન



**પ્રમાણપત્ર**

આથી પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે પ્રા. વેણી દીપકકુમાર, એચ.

આર્ટ્સ કોલેજ, તલોદ.

એ

અત્રે યોજાયેલ સંસ્કૃતના રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં વક્તા / ચર્ચક તરીકે ઉપસ્થિત રહી સક્રિયપણે ભાગ લીધો છે.

તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી રુચિને અમે અભિનંદીએ છીએ. તેમના શોધપત્રનું

શીર્ષક કાલિદાસનાં કવિત્વ હતું.

તારીખ : ૮-૧-૨૦૧૫

*V. P. Dave*  
સંયોજક

*S. J. Patel*  
સમારંભ પ્રમુખ

*S. J. Patel*  
આચાર્ય

(પ્રા. વપબેન દવે)

(ડૉ. જી. સી. પટેલ)



साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

और

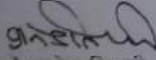


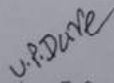
गुजरात विनयन एवं विज्ञान महाविद्यालय, अहमदाबाद  
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत परिसंवाद  
'आधुनिक काव्य विधाएँ और संस्कृत कविता'

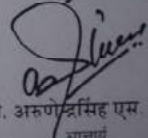
दिनांक : 18-10-2015

॥ प्रमाणपत्र ॥

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री डॉ. अशोक उम. पटेल ने  
दिनांक 18-10-2015 को साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली और गुजरात विनयन एवं विज्ञान महाविद्यालय, अहमदाबाद के संयुक्त  
तत्त्वावधान में आयोजित 'आधुनिक काव्य विधाएँ और संस्कृत कविता' विषयक राष्ट्रीय परिसंवाद में उपस्थित होकर अपना सक्रिय  
योगदान दिया है। इस परिसंवाद में आपने डॉ. छर्षदेप भाधप के उत्कृष्ट कविताएँ विषय  
पर अपना शोधपत्र/व्याख्यान प्रस्तुत किया है।

  
डॉ. ब्रजेन्द्र त्रिपाठी  
सचिव,  
साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

  
डॉ. उर्वी पी. दवे  
अध्यक्षा, संस्कृत विभाग  
गुजरात विनयन एवं विज्ञान महाविद्यालय

  
डॉ. अरुणेश्वर सिंह एम. राठीर  
आचार्य,  
गुजरात विनयन एवं विज्ञान महाविद्यालय

શેઠ એચ.પી. આર્ટ્સ એન્ડ ટી.એસ.એમ. કોમર્સ કોલેજ, તલોદ.

યુ.જી.સી. પ્રેરિત

રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ

વિષય : મહાકવિ કાલિદાસનું જીવન અને સર્જનની પ્રસ્તુતતા : પુનર્મૂલ્યાંકન



**પ્રમાણપત્ર**

આથી પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે પ્રા. ડૉ. અશોક એચ. પટેલ

એમ. ઈ. સી. કોલેજ, મોડાસા એ

અત્રે યોજાયેલ સંસ્કૃતના રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં વક્તા / ચર્ચક તરીકે ઉપસ્થિત રહી સક્રિયપણે ભાગ લીધો છે.

તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી રુચિને અમે અભિનંદીએ છીએ. તેમના શોધપત્રનું

શીર્ષક કાલિદાસ કે નારકોળી ના શિક્ષણ હતું.

તારીખ : ૮-૧-૨૦૧૫

*V. D.*  
સંયોજક

*S. M.*  
સમારંભ પ્રમુખ

*J. P.*  
આચાર્ય

(પ્રા. વર્ણાજી દવે)

(ડૉ. જે. સી. પટેલ)

યુ.જી.સી. અને શામળાજી પ્રદેશ કેળવણી મંડળ, સંચાલિત

આર્ટ્સ કોલેજ, શામળાજી

NAAC ACCREDITATION - B

દ્વારા આયોજિત...

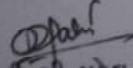
રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ

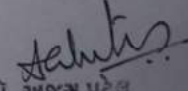
“ઉમાશંકર જોષીના સાહિત્યનું સમગ્રલક્ષી મૂલ્યાંકન”

તા. ૨૯-૩૦ જાન્યુઆરી ૨૦૧૬

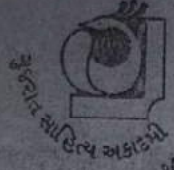
**પ્રમાણપત્ર**

પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે “ઉમાશંકર જોષીના સાહિત્યનું સમગ્રલક્ષી મૂલ્યાંકન” વિષયક રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં શ્રી/શ્રીમતી/ડૉ./પ્રા. મરોનાબહેન રમાલકાંતસલાઈ ચાંદલા (રમારસ કોલેજ, ઝોડાસા) એ અધ્યક્ષ/મુખ્ય મહેમાન/અતિથિ વિશેષ/સંશોધન કર્તા/સહભાગી તરીકે પરિસંવાદમાં ઉત્કૃષ્ટતા પૂર્વક ભાગ લીધેલ છે. જેમાં ઉમાશંકર કોશીની પર્ચાયરભા સંવેદના વિષય પર પોતાનું સંશોધનપત્ર રજૂ કરેલ છે.

  
ડૉ. ડી. સી. પટેલ  
સંશોધક

  
ડૉ. અજર પટેલ  
આચાર્યશ્રી





ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

અને

હિંમતનગર કમનવેલી મંડળ સંચાલિત

શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ,

હિંમતનગરના સંયુક્ત ઉપક્રમે

રાષ્ટ્રીયકક્ષાનો એકદિવસીય પરિસંવાદ

ગુજરાતી લલિત નિબંધમાં પ્રગટતી ગ્રામચેતના

**પ્રમાણપત્ર**

ડૉ. મશીના સી. ચૌહાણ

એ

ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર અને

શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ,

હિંમતનગરના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત રાષ્ટ્રીયકક્ષાના એકદિવસીય પરિસંવાદ

ગુજરાતી લલિત નિબંધમાં પ્રગટતી ગ્રામચેતનામાં

ઉપસ્થિત રહી

“કૌઈ સાદ પાડે” માં ગ્રામ ચેતના

વિષય પર વક્તવ્ય આપ્યું હતું / શોધપત્ર રજૂ કર્યું / સહભાગી તરીકે હાજર

રહ્યા તે બદલ એમને સાભિનંદન આ પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે.

મનોજ ઓગા  
મદદગાર,  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી,  
ગાંધીનગર

ડૉ. ઉત્પલ પટેલ  
પરિસંવાદ સંયોજક

પ્રિ. એ. પી. દોશી  
કાર્યકારી આચાર્ય,  
આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ,  
હિંમતનગર

તારીખ : ૧૮ ફેબ્રુઆરી, ૨૦૧૬

સ્થળ : શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ, હિંમતનગર

# CERTIFICATE



Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar

and

Managed by Madresa Moinul Islam Trust

S. B. Mahila Arts College, Himatnagar, Dist. S.K.



## ONE DAY NATIONAL SEMINAR

ON

"AKHA ANE KABIRNA VICHARONU PUNAH MULYANKAN" 3rd March, 2016

We are pleased to certify that *Dr./Mr./Madam* Prof. Chauhan Marina *A.*  
of Arts College, Modasa.

has participated / presented the paper titled શ્રી ૨૫૫૧૦૧ શ્રી ૨૨૨૨૩૧ શ્રી ૨૨૨૨૩૧  
સર્વજ્ઞ. "

in the National Seminar.

*S. M. Shaikh*  
Dr. S. M. Shaikh  
(Dept. of Hindi)

*I. A. Cazi*  
Dr. I. A. Cazi  
(Dept. of Gujarati)

*N. R. Shaikh*  
V/C Principal  
Dr. N. R. Shaikh  
S.B. Mahila Art College, Himatnagar.



ARAVALLI JANJIVAN (WEEKLY) ISSN - 2454-9622

and Institute of Education and Tribal Development

Reg. No. : F/2266/Panchamahai, 2301-Gujarat

One Day National Seminar

on

Tribal Society

Place : Tribal Research and Training center Gujarat Vidyapith Ahmedabad-14

Date : 14 February, 2016

## Certificate

This is to Certify That Ms./Mr./Dr. Deshmutch Mohambhai Bachubhai  
..... College Name S.K. Shah Arts Co-Modars  
Participated / Presented a Paper Titled Gujarat Tribal cultural and  
Art Progress.....

at the National Seminar on Tribal Society.

Prof. J. C. Patal  
Co-ordinator

Dr. Vijay Pandav  
Editor  
Aravalli Janjivan

Dr. J. L. Bhamiya  
President  
Institute of Education and Tribal Development





St. Xavier's College (Autonomous), Mumbai,  
 Dept. of Ancient Indian Culture, History and Archaeology  
 In collaboration with  
 Heras Institute of Indian History and Culture  
 &  
 Museum Society of Bombay


*This Certificate is Awarded to*


**Manu Makvana**

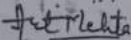
FOR PARTICIPATING / PRESENTING A PAPER TITLED

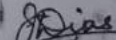
**MARITIME HERITAGE OF INDIA - SURAT.**


at the 9th Mani Kamerkar Memorial State Level Seminar on Maritime Heritage of India  
 on Saturday, 1st August 2015

  
 Dr. Anita Rane-Kothare,  
 Head & Convener,  
 Department of Ancient Indian Culture,  
 St. Xavier's College (Autonomous), Mumbai.

  
 Dr. Kokila Joshi,  
 Secretary & Co-ordinator

  
 Mrs. Arti Mehta,  
 Chairperson,  
 The Museum Society of Bombay,  
 Mumbai

  
 Dr. Joan Dias,  
 Director,  
 Heras Institute of Indian  
 History and Culture

  
 Dr. Agnelo Menezes,  
 Principal,  
 St. Xavier's College (Autonomous)  
 Mumbai.



UGC SPONSORED

# NATIONAL SEMINAR

on

## STRESS AND HEALTH

મનોભાર અને સ્વાસ્થ્ય

❖ Organised by ❖

**Smt. R.R.H. Patel Mahila Arts College, Vijapur**

(Affiliated to Hemchandracharya North Guj.Uni., NAAC accredited : 'B' grade)

### CERTIFICATE

This is to certify that Dr./ Mr./Mrs.

MOTI MAHAFIZ A KATHIYARA

Shri. S.K. Shah & Shri. Krishna PM ARTS COLLEGE, DASA

attended Two-Day

National Seminar on STRESS AND HEALTH (મનોભાર અને સ્વાસ્થ્ય) held at

SMT. R.R.H. PATEL MAHILA ARTS COLLEGE, VIJAPUR on 23-24 July, 2016.

He/She chaired a session / participated / presented a paper entitled Mental Health

of a Student: A Specific Reference to Gender, Habital

P.M. Prajapati

Dr. P.M. Prajapati

(Seminar Convener)

Department of Psychology

Smt. R.R.H. Patel

Mahila Arts College, Vijapur

3 Castes

S.S. Patel

Dr. S.S. Patel

(Principal)

Smt. R.R.H. Patel

Mahila Arts College,

Vijapur



૨૦૧૫-૨૦૧૬

# ADIVASI ARTS AND COMMERCE COLLEGE, BHILODA



UGC Sponsored One Day National Seminar in Gujarati on  
“ The Importance of Adivasi Folk Dances in Gujarati Folk Literature”  
September 30, 2015

## Certificate

This is to certify that Ganpatbhai. M. Chaudhari  
Of Arts College, Modasa. participated in the UGC Sponsored One Day National  
Seminar in Gujarati on “ The Importance of Adivasi Folk Dances in Gujarati Folk Literature”  
September 30, 2015. He/She also presented a paper entitled દક્ષિણ ગુજરાત  
આદિવાસી સાંસ્કૃતિકતા

  
Dr. Ajit Kunvar  
Seminar Coordinator  
Adivasi Arts and Commerce

  
Prin. Dr. Dinesh Chobisa  
Seminar Director  
Adivasi Arts and Commerce

# CERTIFICATE



Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar

and

Managed by Madresa Moinul Islam Trust

S. B. Mahila Arts College, Himatnagar, Dist. S.K.



2015-16

## ONE DAY NATIONAL SEMINAR

ON

"AADHUNIK GUJARATI - HINDI SAHITYA AATMAKATHA" 23rd March, 2015

We are pleased to certify that *Dr./Mr./Madam Ganpatbhau M. Chaudhari*  
of *Arts and Commerce College, Madasa*  
has participated / presented the paper titled '*Sabalyatalu' Aatmakatha*  
*na Chaitasikata*  
in the National Seminar

*gms*  
Dr. S. M. Shaikh  
(Dept. of Hindi)

Co-Ordinator

*is*  
Dr. I. A. Gezi  
(Dept. of Gujarati)

VC Principal  
Dr. Nazims R. Shaikh  
S.B. Mahila Art College, Himatnagar



શોઠ એચ.પી. આર્ટ્સ એન્ડ ટી.એસ.એમ. કોમર્સ કોલેજ, તલોદ.

યુ.જી.સી. પ્રેરિત

રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ

વિષય : મહાકવિ કાલિદાસનું જીવન અને સર્જનની પ્રસ્તુતતા : પુનર્મૂલ્યાંકન



**પ્રમાણપત્ર**

આથી પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે મ્રા. ડૉ. જયશ્રી. જે. દેસાઈ

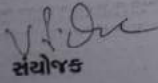
જે.એ.કે.શાહ રોડે આર્ટ્સ કોલેજ તલોદ એ

અત્રે યોજાયેલ સંસ્કૃતના રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં વક્તા / ચર્ચક તરીકે ઉપસ્થિત રહી સક્રિયપણે ભાગ લીધો છે.

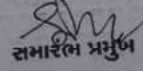
તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી રુચિને અમે અભિનંદીએ છીએ. તેમના શોધપત્રનું

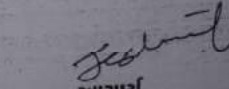
શીર્ષક આર્ટ્સ કોલેજ તલોદ આર્ટ્સ કોલેજ તલોદ હતું.

તારીખ : ૮-૧-૨૦૧૫

  
સંયોજક

(મ્રા. વપબેન દવે)

  
સમારંભ પ્રમુખ

  
આચાર્ય  
(ડૉ. જે. સી. પટેલ)

# CERTIFICATE

Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar

and

Managed by Madresa Moinul Islam Trust

S. B. Mahila Arts College, Himatnagar, Dist. S.K.

ONE DAY NATIONAL SEMINAR

ON

"AADHUNIK GUJARATI - HINDI SAHITYA AATMAKATHA" 23rd March, 2014

We are pleased to certify that ~~Dr. A. A. Moinul~~ *Chauhan Masina A*  
of *Arts College, Madarsa.*  
has ~~participated~~ / presented the paper titled *Satyana Prayogo -*  
*Gujarati Aatmakatha*  
in the National Seminar.

*SM*  
Co-Ordinator  
Dr. S. M. Shaikh  
(Dept. of Hindi)

*AG*  
Dr. I. A. Gazi  
(Dept. of Gujarati)

*NIS*  
VC Principal  
Dr. Nazima R. Shaikh  
S. B. Mahila Arts College, Himatnagar.



# U. G. C. Sponsored One day National Seminar

On

HOME SCIENCE: Health, Nutrition and elderly: Need for strategies and Intervention

Organized by

**THE D. P. C. B. L. ARTS & COMMERCE COLLEGE, DHANSURA.**

(NAAC Accredited "B" Grade)

(Managed by The Dhansura Pradesh Education Society, Dhansura, Dist. Aravli, Gujarat)

## Certificate

This is to certify that Mr./Ms./Dr./Prof... *Gitesh B. Bhatnagar*... Resent..... of  
Shri. Krishna. Arts. college, Modasa participated U. G. C. Sponsored One day National  
Seminar on "Health, Nutrition and elderly: Need for strategies and Intervention" held on 19<sup>th</sup> September  
2014 as a registered delegate and presented his/ her Paper on *Non-infectious Diseases affecting Elderly -  
Person Cancer.*

*G. J. Patel*  
Dr. Gopal. J. Patel  
Co-ordinator, Home Science

*Dr. Prafulla Brahmhatt*  
Dr. Prafulla Brahmhatt  
Seminar Director & Principal

2014-15



# U. G. C. Sponsored One day National Seminar

On

HOME SCIENCE: Health, Nutrition and elderly: Need for strategies and Intervention

Organized by

**THE D. P. C. B. L. ARTS & COMMERCE COLLEGE, DHANSURA.**

(NAAC Accredited "B" Grade)

(Managed by The Dhansura Pradesh Education Society, Dhansura, Dist. Aravli, Gujarat)



2014-15

## Certificate

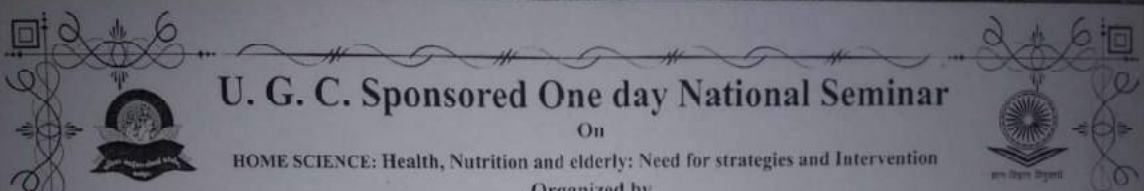
This is to certify that Mr./Ms./Dr./Prof. *Pushpakumari B. Ambekar* of  
*Shri. Krishna Arts. College, Madasa* participated U. G. C. Sponsored One day National  
Seminar on "Health, Nutrition and elderly: Need for strategies and Intervention" held on 19<sup>th</sup> September

2014 as a registered delegate and presented his/ her Paper on *Infection & Non infection disease of blood*  
affecting elderly person.

*G. J. Patel*  
Dr. Gopal J. Patel  
Co-ordinator, Home Science

*P. B.*  
Dr. Prafulla Brahmhatt  
Seminar Director & Principal





# U. G. C. Sponsored One day National Seminar

On

HOME SCIENCE: Health, Nutrition and elderly: Need for strategies and Intervention

Organized by

THE D. P. C. B. L. ARTS & COMMERCE COLLEGE, DHANSURA.

(NAAC Accredited "B" Grade)

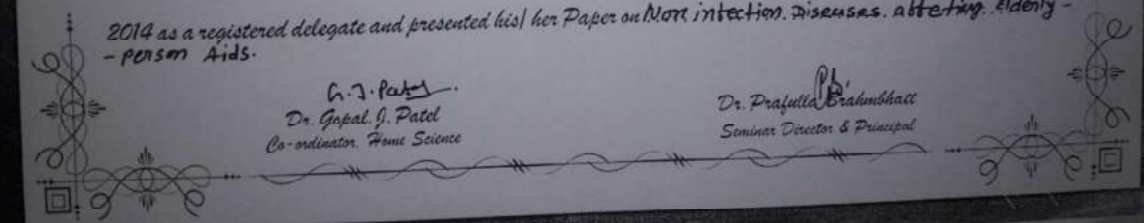
(Managed by The Dhansura Pradesh Education Society, Dhansura Dist Aravli Gujarat)

## Certificate

This is to certify that Mr./Ms./Dr./Prof. Patel.. Kokilaben.. Himmatbhai..... of  
Shri. Krishna Arts College, Modus participated U.G.C. Sponsored One day National  
Seminar on "Health, Nutrition and elderly: Need for strategies and Intervention" held on 19<sup>th</sup> September  
2014 as a registered delegate and presented his/ her Paper on Non infection. Diseases. affecting elderly -  
Person Aids.

*G. J. Patel*  
Dr. Gopal J. Patel  
Co-ordinator, Home Science

*P. B.*  
Dr. Prafulla Brahmshett  
Seminar Director & Principal





Department of Sanskrit  
Gujarat University



organises

International Seminar on  
Energiising cultures:  
The Eco-centric Indian Experience

# Certificate

This is to certify Prof/ Dr./ Shree/ Mr./ Mrs.

Prof M. N. Solanki

of

has participated/ presented a paper entitled

વૈદિક સાહિત્ય માં જ્ઞાન્ય મોર વ્યવસાય

in the International Seminar on Energiising Cultures: the Eco-centric Indian

Experience organised by Department of Sanskrit, Gujarat University &

Shiv Yog held on 3<sup>rd</sup>, 4<sup>th</sup>, 5<sup>th</sup> December, 2015 at Ahmedabad, Gujarat, India.

Dr. Hetal Pandya  
Co-ordinator of ECECIE

Dr. M. N. Patel  
Vice Chancellor, Gujarat University

Avadhoot Shivanandji  
Founder of Shiv Yog

શોઠ એચ.પી. આર્ટ્સ એન્ડ ટી.એસ.એમ. કોમર્સ કોલેજ, તલોદ.

યુ.જી.સી. પ્રેરિત

રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ

વિષય : મહાકવિ કાલિદાસનું જીવન અને સર્જનની પ્રસ્તુતતા : પુનર્મૂલ્યાંકન



## પ્રમાણપત્ર

આથી પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે પ્રા. અંબુલાલજી. જાડા (સાહિત્ય સંલોક) એ

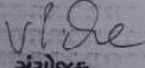
સાહિત્ય કોલેજ તાલોદ.

અત્રે યોજાયેલ સંસ્કૃતના રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં વક્તા / ચર્ચક તરીકે ઉપસ્થિત રહી સક્રિયપણે ભાગ લીધો છે.

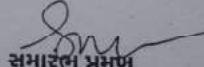
તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી રુચિને અમે અભિનંદીએ છીએ. તેમના શોધપત્રનું

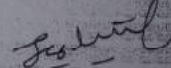
શીર્ષક સતિ જ્ઞાન શાકુન્તલ એ પ્રગણ્ય હતું.

તારીખ : ૮-૧-૨૦૧૫

  
સંયોજક

(પ્રા. વપબેન દવે)

  
સમારભ પ્રમુખ

  
આચાર્ય

(ડા. જે. સી. પટેલ)





ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર  
અને

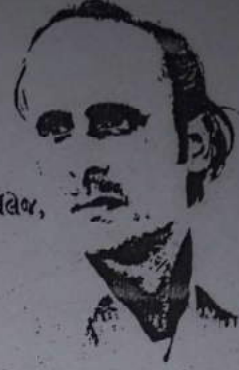
હિંમતનગર કેળવણી મંડળ સંચાલિત

શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ,

હિંમતનગરના સંયુક્ત ઉપક્રમે

રાજ્યકક્ષાનો એકદિવસીય પરિસંવાદ

સર્જકવિશેષ : દિગ્વીશ મહેતા



## પ્રમાણપત્ર

શ્રી..... ડૉ. જી. સુરેશ ચૌધરી.....

ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર અને

શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ,

હિંમતનગરના સંયુક્ત ઉપક્રમે ૧૧ માર્ચ, ૨૦૧૪ના રોજ

શ્રી એસ. એસ. મહેતા આર્ટ્સ એન્ડ એમ. એમ. પટેલ કોમર્સ કોલેજ,

હિંમતનગરમાં યોજાયેલા રાજ્યકક્ષાના એકદિવસીય પરિસંવાદ

સર્જકવિશેષ : દિગ્વીશ મહેતામાં ઉપસ્થિત રહી

'દુરના એ સૂર્ય વિશ્વે'

વિષય પર વક્તવ્ય આપ્યું હતું / શોધપત્ર રજૂ કર્યું હતું / સહભાગી બન્યા તે બદલ  
સાભિનંદન આ પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે.

શ્રી હર્ષદ ત્રિવેદી  
મહામાત્ર,  
ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી,  
ગાંધીનગર.

ડૉ. ઉત્પલ પટેલ  
પરિસંવાદ સંયોજક

ડૉ. વી. એન. રાવલ  
આચાર્ય,  
આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ,  
હિંમતનગર.



सरकारस्थेन श्रीस्वामिनारायणमन्दिरेण सौराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषदा च समायोजितम् हिदिवसीयं

## ॥ अन्ताराष्ट्रीयसंस्कृतसम्मेलनम् ॥

दिनाङ्कः : ७-८ दिसम्बर २०१३

स्थलम् :- श्री स्वामिनारायणमन्दिरम्, सरधारम्



सानन्दमेतदप्रामाणीक्रियन्ते यत् श्री/प्रो/डॉ. अहोळ (म. परेस)  
या/या आरुस वीरुज - मिडास संस्थाया/स्थानात् सा/सा  
सर्वावतारिभगवत्श्रीस्वामिनारायणस्य महत्या कृपया श्रीस्वामिनारायणसंप्रदायस्य अनन्तश्रीविभूषितानां  
वृत्तालयस्य श्रीलक्ष्मीनारायणदेवपीठाधिपतीनां श्रीमतामाचार्याणां परमपूज्यानां सनातनधर्मपुरन्धराणां १००८ श्री-  
अजेन्द्रप्रसादजीमहाराजानामाजया एवं श्रीमतां भावि-आचार्याणां परमपूज्यानां १०८ (युवराज - लालजी) श्री नृगेन्द्रप्रसादजीमहाराजानां  
दिव्यसात्रिय्ये भारतदेशे गुजरातराज्ये राजकोटमण्डले सरधारग्रामस्थे श्रीस्वामिनारायणमन्दिरे समायोजिते अन्ताराष्ट्रिये संस्कृतसम्मेलने  
भागं गृहित्वा वेद और श्री स्वामिनारायण संस्था इति  
शोधकेण स्वकीयं शोधपत्रं प्रास्तौदिति । तेन/नया शोधसंगोष्ठिसंप्राप्तं व्यक्तम्/ तवाहकत्वम् निर्वृत्तम् ।

डॉ. विद्यमती  
प्रधान-श्रीनित्यस्वरूपदासजीस्वामिनः  
(महान्त्री)  
सौराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषद्, सरधारम्  
राजकोटनगरम्

डॉ. नवनीतजो-नी  
(महामन्त्री)  
सौराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषद्  
राजकोटनगरम्

महामन्त्री  
डॉ. विद्यमती  
सौराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषद्  
राजकोटनगरम्

॥ श्रेयान् ज्ञानमयो यज्ञः ॥

श्रीकृष्ण प्रेम संस्थान सञ्चालित (ट्रस्ट रजि. नं. डू ३२६४ हिम्मतनगर)



# निम्बार्क शोध संस्थानम्

हिम्मतनगर (जि. साबरकांठा) गुजरात

राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी

दिनांक: १३ जनवरी २०१३

विषय: संस्कृत साहित्य में मातृभूमि

## प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि पो./डा./श्रीमान्/श्रीमती/कुमारी.....अशोक . प्रतेक.....

विभाग संस्कृत..... महाविद्यालय/शिक्षण संस्था आर्य कोलेज.....

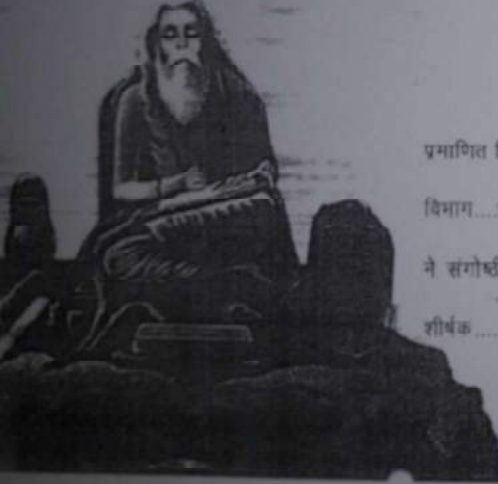
ने संगोष्ठी में भाग लिया। इन्होंने इस संगोष्ठी में वक्तव्य / शोधपत्र भी प्रस्तुत किया, जिसका

शीर्षक मेवमपुत्राभौ प्रतिलिखित मीलथीक्षी.....

महेश्वर  
मुख्य प्रमाणित

समाराह अग्रवाल  
समाराह अग्रवाल

डा. स्वामी श्रीरामचन्द्राचार्य  
डा. स्वामी श्रीरामचन्द्राचार्य



U. G. C. sponsored National Level Seminars  
"એશિયા ખંડમાં રામકથાની લોક અને શિષ્ટ પરંપરાઓ"

31<sup>st</sup> Jan, 1<sup>st</sup> Feb. 2013  
organized by



Shri P. N. Pandya Arts, M. P. Pandya Science &  
Smt. D. P. Pandya Commerce College, Lunawada

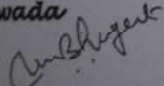
## Certificate


This is to certify that Dr./Mr./Miss પ્રી. ડૉ. અશોક એમ. પટેલ  
of આર્ટ્સ કોલેજ - મોડિસા

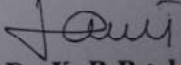
participated the Two Day National Level Seminar 'એશિયા ખંડમાં રામકથાની લોક અને શિષ્ટ પરંપરાઓ',  
31<sup>st</sup> Jan, 1<sup>st</sup> Feb- 2013 and read a Paper titled સંસ્કૃત સાહિત્યમાં માતૃભૂમિ

Her/His Participation is appreciated.

Place: Lunawada

  
Prof. M. N. Bhagat  
Convener

  
Prof. K. R. Patel  
Co-ordinator

  
Dr. K. P. Patel  
Principal



Gujarat Sahitya Academy Sponsored  
**NATIONAL SEMINAR**



On  
“સંસ્કૃત અને ગુજરાતી સાહિત્યમાં રામાયણ અને મહાભારતમાં વ્યક્ત થતાં  
ભારતીય સંસ્કૃતિનાં મૂલ્યો ”

Organized by  
The Dhansura Peoples Co. Op. Bank Ltd.,  
**Arts and Commerce College, Dhansura**


(NAAC Accredited " B " Grade)

Managed by The Dhansura Pradesh Education Society, Dhansura, Dist. Aravalli

**CERTIFICATE**

This is to certify that Mr./Ms./Dr./Prof. Jayshriben J. Desai .....of  
S.K. Shah & Shri. Krishna Arts College, Modasa ..... participated Gujarat Sahitya Academy,  
Gandhinagar and The Dhansura Peoples Co. Op Bank Ltd., Arts & Commerce College Sponsored One day  
National Seminar on “ સંસ્કૃત અને ગુજરાતી સાહિત્યમાં રામાયણ અને મહાભારતમાં વ્યક્ત થતાં  
ભારતીય સંસ્કૃતિનાં મૂલ્યો ” held on January 9<sup>th</sup>, 2014 as a registered delegate and presented his / her  
paper on “ ભાસ્કરાનાં ગણિતનાં મૂલ્યો અને રામાયણ- મહાભારતનાં સાંસ્કૃતિક મૂલ્યો ”

**Harshad Trivedi**  
Mahamatra  
Gujarat Sahitya Academy,  
Gandhinagar

  
**Dr. Prafulla Brahmbhatt**  
Principal  
Arts & Comm. College,  
Dhansura





Gujarat Sahitya Academy Sponsored

## NATIONAL SEMINAR

On

“સંસ્કૃત અને ગુજરાતી સાહિત્યમાં સમાયણ અને મહાભારતમાં વ્યક્ત થતાં ભારતીય સંસ્કૃતિનાં મૂલ્યો ”

Organized by

The Dhansura Peoples Co.Op.Bank Ltd.,

**Arts and Commerce College, Dhansura**

(NAAC Accredited " B " Grade)


Managed by The Dhansura Pradesh Education Society, Dhansura, Dist. Aravalli

## CERTIFICATE

This is to certify that Mr./ Ms./Dr./Prof. Marina A Chauhan of S.K. Shah & Shri Krishna Arts College - Vadasa participated Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar and The Dhansura Peoples Co.Op.Bank Ltd., Arts & Commerce College Sponsored One day National Seminar on “ સંસ્કૃત અને ગુજરાતી સાહિત્યમાં સમાયણ અને મહાભારતમાં વ્યક્ત થતાં ભારતીય સંસ્કૃતિનાં મૂલ્યો ” held on January 9<sup>th</sup>, 2014 as a registered delegate and presented his / her paper on પ્રવિલાસી લખિત નવલકથા 'સો' સાયસોની' માં વ્યક્ત થતાં સમાયણ-મહાભારતનાં

**Harshad Trivedi**

Mahamatra  
Gujarat Sahitya Academy,  
Gandhinagar

  
**Dr. Prafuna Brahmhatt**

Principal  
Arts & Comm. College,  
Dhansura

શેઠ એચ.પી. આર્ટ્સ એન્ડ  
ટી.એસ.એમ. ડોમર્સ કોલેજ, તલોદ.



યુ.જી.સી. પ્રોવિડ  
રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ  
**પ્રમાણપત્ર**

૨૦૧૩-૧૫

વિષય : ક.મા. મુનશી : વ્યક્તિત્વ અને કૃતિત્વ

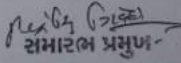
આથી પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે ડૉ. / પ્રા. શ્રી / શ્રીમતી મરુનાબહેન  
આલ્ફોન્સિનાર્થ ચૌહાણી કોલેજ ઓફ એડ્વ. સ્ટાડીઝ ઓફ આર્ટ્સ એન્ડ સાયન્સ  
મોડરન

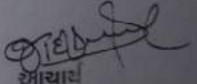
અને યોજાયેલ ગુજરાતીના રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદમાં વક્તા / ચર્ચક તરીકે ઉપસ્થિત રહી સક્રિયપણે ભાગ લીધો છે.

તેમની સાહિત્ય અને અધ્યાપન પરત્વેની આવી રુચિને અમે અભિનંદીએ છીએ. તેમના શોધપત્રનું

શીર્ષક પ્રદર્શન નાટક : 'કામળી રીશ' (ક.મા. મુનશી) હતું.

  
વ્યવસ્થાપક

  
સમારભ પ્રમુખ

  
આચાર્ય

તારીખ : ૨૦મી માર્ચ ૨૦૧૪

(ડૉ. પી. એસ. પટેલ)

(ડૉ. જી. સી. પટેલ)



UGC Sponsored National Seminar  
On

# "TEACHING OF ENGLISH LANGUAGE TODAY"

Organized by

Department of English

**Smt. M.M. Shah Mahila Arts College, Kadi**


NAAC Accredited "B" Grade (CGPA-2.22)

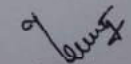
Managed by M.P. Shah Education Society, Kadi


**JANUARY-3<sup>rd</sup> & 4<sup>th</sup> - 2014**

## Certificate

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. Dipaks R. Mehta  
of Smt. Krishna Devi Arts College, Madasa, Gujarat  
has Participated / Worked as a Resource Person / Member of Organizing Committee / Presented Paper  
on the topic "ICT in Teaching English Language"  
at Smt. M. M. Shah Mahila Arts College,  
Kadi, North Gujarat.

  
Dr. R.M. Chauhan  
Convener  
National Seminar

  
Prof. G.I. Maru  
Organizing Secretary  
National Seminar

  
Dr. Hema M. Patel  
Principal & Director  
National Seminar

ज्ञान - विज्ञान विमुक्तये

2013-14



13-14  
National Conference

on

राष्ट्रे जागृयाम वयम्

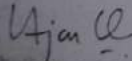
Certificate




This is to certify that Sinh Piyushkumar Ramvilas

has participated / presented a paper on National Values Of Sardar Vallabhbhai Patel In Indian Politics

at the National Conference on राष्ट्रै जागृयाम वयम् jointly organised by Dr. Babasaheb Ambedkar Open University (BAOU), Ahmedabad & Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar held on 13-14 April, 2018 at Dr. Babasaheb Ambedkar Open University, 'Jyotirmay' Parisar, S. G. Highway, Chharodi, Ahmedabad, Gujarat, Bharat.

  
**Dr. Ajaysinh Chauhan**  
Mahamatra  
Gujarat Sahitya Academy  
130992

  
**Prof. (Dr.) Ami Upadhyay**  
Director & (I/C) Registrar  
Dr. Babasaheb Ambedkar Open University





One day National Workshop (Under UGC CPE)

on  
*"History Museum: Relevance, Establishment & Management"*



7<sup>th</sup> January, 2014

Organized by  
Department of History

**N S PATEL ARTS COLLEGE, ANAND**


(Managed by Sardar Patel Education Trust, Anand)  
(Awarded "College with Potential for Excellence" by U.G.C.)  
In Collaboration with University Museum,  
Sardar Patel University - Vallabh Vidyanagar

Certificate awarded to Mr. Mohanbhai B. Deshmukh

For participation in the National Workshop entitled "History Museum: Relevance, Establishment & Management"

He/She presented a paper titled "Archaeological Museum of Modasa College"

  
Dr. Mohan Patel  
Principal

  
Dr. Maulesh Pandya  
Convenor

SMT. A. S. CHAUDHARY ...HILA ARTS & HOME SCIENCE COLLEGE, MEHSANA

(Reaccredited by NAAC - B)

Managed by: Shri Sarvajanic Kelavani Mandal

NATIONAL CONFERENCE

Sponsored by ICSSR

on

ADJUSTMENT AS AN IMPROVEMENT OF QUALITY OF LIFE

Organized by Department of Psychology & Sociology

22<sup>nd</sup> - 23<sup>rd</sup> March, 2014

CERTIFICATE

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. HARSHABEN C. RAKHASHIA from  
SHRI S.K. SHAH & SRI KRISHNA D.M. ARTS COLLEGE, MODASA has actively participated/presented  
a research paper on ADJUSTMENT PROBLEMS OF YOUNGSTERS  
at the National Conference organized by  
Department of Psychology & Sociology during 22<sup>nd</sup> - 23<sup>rd</sup> March, 2014, Mehsana.



*[Signature]*  
Coordinator  
(Smt. S. R. Patil)

*[Signature]*  
Head, Dept. of Sociology  
(Smt. S. R. Patil)

*[Signature]*  
Principal  
(G. K. Gadhave)

SMT.A.S.CHAUDHARY MAHILA ARTS & HOME SCIENCE COLLEGE, MEHSANA

(Reaccredited by NAAC - B)

Managed by: Shri Sarvajanic Kelavani Mandal

NATIONAL CONFERENCE

Sponsored by ICSSR

ON

ADJUSTMENT AS AN IMPROVEMENT OF QUALITY OF LIFE

Organized by Department of Psychology & Sociology

22<sup>nd</sup> - 23<sup>rd</sup> March, 2014



CERTIFICATE


This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. MOHMED HAFIZ A. KATHIYARA from


Shri S.K. Shah & Sri Krishna O.M. Arts College, MOPASA has actively participated/presented

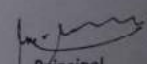
a research paper on ADJUSTMENT PROBLEMS OF YOUNGSTERS

at the National Conference organized by

Department of Psychology & Sociology during 22<sup>nd</sup> - 23<sup>rd</sup> March, 2014, Mehsana.

  
Co-ordinator  
(Dr. A. L. Sutariya)

  
Head, Dept. of Sociology  
(Smt. S.R. Patel)

  
Principal  
(G.K. Gadhavi)



UGC Sponsored National Seminar  
On

**"TEACHING OF ENGLISH LANGUAGE TODAY"**

Organized by

**Department of English**

**Smt. M.M. Shah Mahila Arts College, Kadi**

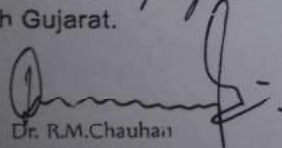
NAAC Accredited "B" Grade (CGPA-2.22)

Managed by M.P. Shah Education Society, Kadi

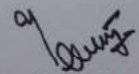
**JANUARY-3<sup>rd</sup> & 4<sup>th</sup> - 2014**


**Certificate**

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. Jitondrakumar R. Suthar  
of Arts College Modasa  
has Participated / Worked as a Resource Person / Member of Organizing Committee / Presented Paper  
on the topic "Use of Cell phone in Teaching of English  
Longrange" at Smt. M. M. Shah Mahila Arts College,  
Kadi, North Gujarat.

  
Dr. R.M. Chauhan  
Convener  
National Seminar



  
Prof. G.I. Maru  
Organizing Secretary  
National Seminar

  
Dr. Himu M. Patel  
Principal & Director  
National Seminar





Gujarat Sahitya Academy Sponsored  
**NATIONAL SEMINAR**



On  
“સંસ્કૃત અને ગુજરાતી સાહિત્યમાં સમાયણ અને મહાભારતમાં વ્યક્ત થતાં  
ભારતીય સંસ્કૃતિનાં મૂલ્યો ”

Organized by  
The Dhansura Peoples Co.Op.Bank Ltd.,  
**Arts and Commerce College, Dhansura**

(NAAC Accredited " B " Grade)  
Managed by The Dhansura Pradesh Education Society, Dhansura, Dist. Aravalli

**CERTIFICATE**

This is to certify that Mr/ Ms./Dr./Prof. Chaudhari Ganapatbhai M. of  
Arts College, Modasa. participated Gujarat Sahitya Academy,  
Gandhinagar and The Dhansura Peoples Co.Op.Bank Ltd., Arts & Commerce College Sponsored One day  
National Seminar on “ સંસ્કૃત અને ગુજરાતી સાહિત્યમાં સમાયણ અને મહાભારતમાં વ્યક્ત થતાં  
ભારતીય સંસ્કૃતિનાં મૂલ્યો ” held on January 9<sup>th</sup>, 2014 as a registered delegate and presented his / her  
paper on મહાભારત સાંપ્રદાયિક કૃતિ "નવો જ્ઞાન"

**Harshad Trivedi**  
Mahamatra  
Gujarat Sahitya Academy,  
Gandhinagar

**Dr. Prafulla Brahmbhatt**  
Principal  
Arts & Comm. College,  
Dhansura



**Shri C.N.P.F. Arts & D. N. Science College Dabhoi**

(NAAC ACCREDITED "B" GRADE)

Managed by Vadodara Jilla Kelavani Mandal, Dabhoi - 391 110. Dist Vadodara.



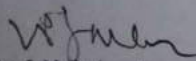
**U.G.C. SPONSORED TWO DAYS NATIONAL SEMINAR**

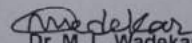
on  
**Environmental Awareness in Works of Kalidasa**

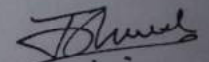
Organized by : Department of Sanskrit

## **CERTIFICATE**

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Mrs./Ms. Prof. Deepak H. Joshi  
of Arts College, MODASA  
has participated as a Resource Person / Registered Delegate in Two Days National Seminar  
held on 23<sup>rd</sup> & 24<sup>th</sup> September, 2013. He/She Presented a paper entitled  
"पर्यावरण एवं प्रदूषण" कालिदास के नाटकों में in the National Seminar.

  
Prof. V. P. Juvekar  
Organizing Secretary  
(HOD Dept. of Sanskrit)

  
Dr. M. L. Wadekar  
Organizing Secretary  
(Offi. Director ORI)

  
Dr. J. R. Shukla  
Principal & Convener

सरधारस्थेन श्रीस्वामिनारायणमन्दिरेण सौराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषदा च समायोजितम् द्विदिवसीयं

## ॥ अन्ताराष्ट्रीयसंस्कृतसम्मेलनम् ॥

दिनाङ्कः : ७-८ दिसम्बर २०१३

स्थलम् :- श्री स्वामिनारायणमन्दिरम्, सरधारम्



सानन्दमेतत्प्रमाणीक्रियन्ते यत् श्री/प्रो/डॉ. दीपक हीरालाल जोशी  
यः/या आर.एस. वेदलाल - मो.सी संस्थायाः/स्थानात् सः/सा  
सर्वां वतारि भगवत्श्रीस्वामिनारायणस्य महत्या कृपया श्रीस्वामिनारायणसंप्रदायस्य अनन्तश्रीनिभूषितानां  
वृत्तालयस्थ श्रीलक्ष्मीनारायणदेवपीठाधिपतीनां श्रीमतामाचार्याणां परमपूज्यानां सनातनधर्मपुरन्दराणां १००८ श्री-  
अजेन्द्रप्रसादजीमहाराजानामाज्ञया एवं श्रीमतां भावि-आचार्याणां परमपूज्यानां १०८ (युवराज - लालजी) श्री नृगेन्द्रप्रसादजीमहाराजानां  
दिव्यसात्रिष्ये भारतदेशे गुजरातराज्ये राजकोटमण्डले सरधारग्रामस्थे श्रीस्वामिनारायणमन्दिरे समायोजिते अन्ताराष्ट्रिये संस्कृतसम्मेलने  
भागं गृहित्वा प्रशान्त राधव मे अधिप्रकृति इति  
शीर्षकेण स्वकीयं शोधपत्रं प्रास्तोदिति । तेन/व्यस-सोधसंगोष्ठिसमाऽध्यक्षत्वम्/आवाहकत्वम् निर्व्यूहम् ।

साधु. नित्यस्वयं एवम्  
परमपूज्याः सद्गुरुश्रीनित्यस्वरूपदासजीस्वामिनः  
(महन्तश्री)  
श्रीस्वामिनारायणमन्दिरम्, सरधारम्

डा. नवनीतजोशी  
(महापन्त्री)  
सौराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषद्,  
राजकोटनगरम्

महामहोपाध्यायः डॉ. जयप्रकाशनारायणद्विवेदी  
(अध्यक्षः)  
सौराष्ट्रविश्वविद्यालयसंस्कृताध्यापकपरिषद्,  
राजकोटनगरम्, गुजरातराज्यम्

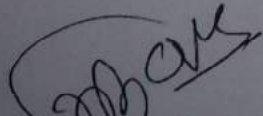
Sanskrit Sahitya Academy  
Sponsored One Day National Seminar  
On  
Gender Sensitivity in Sanskrit Literature  
संस्कृत साहित्य में नारीचेतना  
Organised by  
**Nima Girls' Arts College, Gozaria**  
(Affiliated to Hemchandracharya North Guj. Uni., Patan)



**CERTIFICATE**

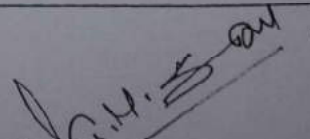
This is to certify that Dr. / Mr. / Mrs. SOLANKI  
MANJULABEN No. attended One Day National Seminar on  
"GENDER SENSITIVITY IN SANSKRIT LITERATURE" held at Nima  
Girls' Arts College, Gozaria on December 21, 2013.

He / She chaired a session / participated / presented a paper  
entitled अभिज्ञान शाकुंतल में नारी-चेतना

  
Seminar Convener

Nima Girls' Arts College, Gozaria



  
Principal

Nima Girls' Arts College, Gozaria



श्री. ए. ए. ए. - 51/211/2012

# SHAH K. S. ARTS & V. M. PAREKH COMMERCE COLLEGE, KAPADWANJ

(Managed by : Kapadwanj Kelavani Mandal)



HAAC ACCREDITED WITH "B" GRADE

U. G. C. Sponsored : TWO DAY NATIONAL LEVEL SEMINAR IN PHYSICAL EDUCATION ON  
"YOGA EDUCATION AND PERSONALITY DEVELOPMENT"


● SEPTEMBER 21-22, 2012 ●

## CERTIFICATE

This is to certify that Dr. Mohamed Hafiz Kathiari of Arts College, Modasa  
participated in the U.G.C. Sponsored Two Day National Level Seminar in Physical Education on  
"Yoga Education & Personality Development" on September 21-22, 2012. He/She presented  
a paper entitled Yoga and Personality Development  
He/She also served as Chairperson / Resource Person of a session in the same.

  
Punsir B. Bhabhor  
Seminar Co-Ordinator

  
Jitendra Brahmabhatt  
Seminar Joint Co-Ordinator

  
Dr. Gopal Sharma  
Principal

9-8-11.1

NATIONAL SEMINAR

On

REHABILITATION PSYCHOLOGY - A COMMITMENT TO SOCIETY

Organized by

Post Graduate Diploma in Counseling Psychology

Gujarat University, Ahmedabad, Gujarat


March 26-27, 2011



CERTIFICATE


Presented to Dr. Mohmed Hafiz A. Kathiara in appreciation of his/her participation/presentation of Paper/resource person/chairing or co-chairing a session during the National Seminar on Rehabilitation Psychology: A Commitment to Society.

He/She presented paper titled "Comparative Study of Rehabilitated And Relapsed Addicts."

  
Dr. K. S. PATEL

Director

School of Psychology Education & Philosophy  
Gujarat University, Ahmedabad.

  
Dr. Ashwin Jansari

Honorary Director

P. G. D. C. P., Psychology Department  
Gujarat University, Ahmedabad.

Item No-6

HP/...

8

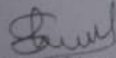
**Dharmendrasinhji Arts College-Rajkot**  
and  
**Saurashtra University-Rajkot**  
(Dept. of Economics and Philosophy)




This is to certify that Mr./Ms./Dr. Vadher Jagu Sonia  
of Smt. J. P. Kundaliga Dule + Co. College has participated in the  
U.G.C. sponsored National Level Seminar on

**Organised by**  
**Dharmendrasinhji Arts College**  
and  
**Saurashtra University**  
(Dept. of Economics and Philosophy)

on 16<sup>th</sup> February - 2010 and has presented a paper entitled  
"GDP, NSDP and Per capita Income in Gujarat (93/94 to 06/07)"

  
**Dr. S.S. Sharma**  
Head Dept. of philosophy  
Saurashtra University  
Rajkot

  
**Dr. M. V. Joshi**  
Head Dept. of Economics  
Saurashtra University  
Rajkot

  
**Dr. Chandrika B. Vadher**  
Principal  
Dharmendrasinhji Arts College  
Rajkot